अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–222 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ सोमवार 11 दिसम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

नदी में उतराता मिला युवक का शव,नहीं हो सकी पहचान

बहराइच। जिले में लखनऊ हाईवे के गोलवाघाट सरयू नदी में एक युवक का शव उतराता हुआ दिखाई पड़ा। पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाया। पहचान न होने पर वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी कर शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया गया है। 72 घंटे बाद शव का पोस्टमार्ट पुलिस करवाएगी। देहात कोतवाली के बहराइच– लखनऊ हाईवे के गोलवाघाट सरयू नदी में लोगों ने एक युवक का शव उतराते देखा। तो लोगों की भीड़ लगने लगी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। देहात कोतवाल ब्रह्म गोंड, टिकोरा मोड़ चौकी प्रभारी अनुराग प्रताप सिंह, तिकोनी बाग पुलिस चौकी प्रभारी विकास कुमार वर्मा पुलिस बल के साथ पहुंचे। फील्ड यूनिट भी मौके पर पहुंची। नदी से शव निकलवाया गया। युवक की आयु लगभग 22 वर्ष रही होगी। कद काठी औसत मजबूत दिखी। उसने क्रीम रंग का काली धारी दार स्वेटर, भूरे रंग की पैंट , पैरो में काले रंग का मोजा पहना था। तलाशी में ऐसा कोई सामान नहीं मिला। जिससे उसकी पहचान हो सकती थी। इस मामले में देहात कोतवाल ब्रह्म गोंड ने बताया कि गोलवाघाट के पास सरयू नदी में 22 वर्षीय युवक का शव बरामद किया गया है। पहचान कराई जा रही है। पहचान होने व पोस्टमार्टम के बाद मौत की असल वजह सामने आएगी।

कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान के डॉक्टरों को सातवां वेतनमान नए भर्ती होने वाले डॉक्टरों पर होगी लागू

लखनऊ। चक गंजरिया स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान के डॉक्टरों के लिए राहत भरी खबर है। शासन ने वेतनमान संबंधी नया आदेश जारी कर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। इसमें साफ कहा गया है कि राज्य सरकार के तहत सातवां वेतनमान नए भर्ती होने वाले डॉक्टरों पर लागू होगी। पहले से तैनात 27 डॉक्टरों के वेतनमान का मामला कोर्ट में है। लिहाजा कोर्ट के आदेश पर ही आगे का फैसला होगा। उप सचिव एसपी सिंह की तरफ से शासनादेश जारी किया गया है। जिसमें कहा है कि संस्थान में वर्तमान में तैनात डॉक्टर –कर्मचारियों को पूर्व की भांति वेतन–भत्ते अनुमन्य रहेंगे। जब तक कोर्ट का अंतिम फैसला नहीं आ जाता है। वहीं संस्थान के बायलॉज के अनुसार भविष्य में प्रकाशित होने वाले भर्ती विज्ञापनों में राज्य कर्मचारियों को अनुमन्य वेतनमान दिया जाएगा। इस संबंध में शासनादेश संस्थान के निदेशक को भेज दिया गया है। संस्थान के निदेशक डॉ. आरके धीमन का कहना है कि सभी डॉक्टर–कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित है। नियम और कोर्ट के आदेश का शत प्रतिशत पालन होगा।

दो दिवसीय दौरे पर आज लखनऊ आएंगी राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, हार्ट फाउंडेशन के कार्यक्रम में होंगी शामिल

लखनऊ। देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु अपने दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ आ रही हैं। राष्ट्रपति जहां पर सोमवार और मंगलवार को होने वाले कार्यक्रम के मद्देनजर आ रही हैं। राष्ट्रपति लखनऊ में डिवाइन हार्ट फाउंडेशन के स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए आ रहीं हैं और 11 दिसंबर की शाम लखनऊ पहुंचेंगी। उनके आगमन को लेकर इंतजाम किए जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। बता दें कि राष्ट्रपति दिल्ली से विशेष विमान से 11 दिसंबर को शाम 4.50 पर लखनऊ पहुंचेंगे। यहां राष्ट्रपति का वीआईपी हैंगर में स्वागत होगा, उसके बाद राष्ट्रपति एयरपोर्ट से सीधे डिवाइन हार्ट फाउंडेशन के कार्यक्रम स्थल जाएंगी। जहां वह शाम 5.25 से लेकर शाम के 7.00 बजे तक रहेंगी। डिवाइन हार्ट फाउंडेशन के 27 साल पूरे होने पर कार्यक्रम हो रहा है। इसके बाद राष्ट्रपति राजभवन के

लिए रवाना हो जाएंगी, जहां वह रात्रि विश्राम करेंगी। फिर अगले दिन 12 तारीख को सुबह राष्ट्रपति राजभवन से 10.20 पर निकलेंगी और 10:40 बजे इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचेगी। यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आईआईआईटी के दूसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगी। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के आगमन को लेकर सभी तैयारियां की जा रही है। उनकी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है। डीसीपीध्एसपी 10, अपर पुलिस अधीक्षक 16, सीओ,एसीपी 34, इंस्पेक्टर 46, दारोगा 465, महिला दारोगा 48, मुख्य आरक्षी 340, सिपाही 1170, पीएसी छह कंपनी, ट्रैफिक इंस्पेक्टर 12, ट्रैफिक दारोगा 120, मुख्य आरक्षी ट्रैफिक 150, 350 ट्रैफिक सिपाही तैनात किए गए है। साथ ही यह निर्देश जारी किए गए है कि दोनों स्थलों के आस पास कोई प्राइवेट ड्रोन नहीं उड़ाए। अगर ऐसा किया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

योगी ने लगाया जनता दरबार, 300 लोगों की सुनीं समस्याएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे पर गोरखपुर में है। आज दूसरे दिन हमेशा की तरह सीएम गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। मंदिर में पूजा–अर्चना और गौ सेवा कर उन्होंने जनता दरबार लगाया। इस जनता दरबार में सीएम दूर–दूर से फरियादी अपनी फरियाद लेकर आए। मुख्यमंत्री ने सभी पीड़ितों की फरियाद सुनीं। इसके बाद संबंधित अधिकारियों को समय से जनता की समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए है। इस दौरान जिले के आला अधिकारी मौजूद रहे। बता दें कि मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे। सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का निस्तारण किया जाएगा। सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हर जरूरतमंद को उसकी आवश्यकता के अनुसार आवास व इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई

जाए। आपराधिक मामलों में एफआईआर दर्ज करने में लापरवाही न की जाए और भूमि कब्जाने वाले दबंग, माफिया पर लगाम कसने में तत्परता दिखाई जाए। जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखते हुए अधिकारी हर पीड़ित की समस्या का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सीएम योगी के जनता दरबार में करीब 300 लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। पीड़ित महिलाओं ने सीएम को अपनी समस्या बताई। सभी ने सीएम को अपने प्रार्थना पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री ने सभी के पास जाकर ध्यान से उनकी समस्या सुनी और उन्हें दूर करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि किसी का भी इलाज पैसे के अभाव से नहीं रुकेगा। डॉक्टर से एस्टीमेट मंगवा लीजिए, सरकार सबके इलाज का पैसा देगी। साथ ही सीएम ने कहा कि दबंगई करने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी को भी घबराने की जरुरत नहीं है।

20 जनवरी से आम श्रद्धालु नहीं कर सकेंगे रामलला के दर्शन,23 को दोबारा खुलेगा मंदिर

22 दिसंबर को 11 से एक बजे के बीच होगी रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा

लखनऊ। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाली प्राण–प्रतिष्ठा से पहले श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट ने फैसला लिया है। ट्रस्ट ने 20 जनवरी से आम श्रद्धालुओं के लिए रामलला के दर्शन को बंद कर दिया गया है। ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर में रामलला

की प्राण–प्रतिष्ठा होगी। 22 जनवरी को अयोध्या के श्रीराम मंदिर में होने वाला मूर्ति प्रतिष्ठा समारोह दोपहर करीब 12.30 बजे होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ समेत तमाम बड़े नेता और कई हस्तियां मंदिर परिसर में मौजूद रहेंगी,ज्यादातर लोगों का प्राण–प्रतिष्ठा से कुछ दिन पहले अयोध्या में आगमन हो जाएगा। अनिल मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा कारणों को देखते हुए ट्रस्ट ने रामलला के दर्शन बंद करने करने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि प्राण–प्रतिष्ठा के बाद 23 जनवरी से दोबारा मंदिर खुल जाएंगे, जिसके बाद श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर पायेंगे। पांच सौ सालों की प्रतीक्षा के बाद श्रीरामजन्म भूमि में निर्माणाधीन दिव्य मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के क्षणों के साक्षी बनने का सुअवसर सनातन धर्मियों संग कई अन्य सेलेब्रिटियों को होगा। 7000 लोगों को निमंत्रण भेजे गए हैं। इन निमंत्रण कार्ड की एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस निमंत्रण कार्ड में लिखा है कि हमारी प्रबल इच्छा है कि आप इस शुभ अवसर पर अयोध्या में मौजूद रहकर अभिषेक के साक्षी बनें और इस ऐतिहासिक दिन की गरिमा को बढ़ाएं। श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय के मुताबिक 22 जनवरी में होने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव से सम्बन्धित आमन्त्रण पत्र विश्व भर के रामभक्तों को सोशल मीडिया के माध्यम से भेजा है। पत्र में अपील की गयी कि पौष शुक्ल द्वादशी विक्रम संवत 2080 तदनुसार 22 जनवरी के शुभ दिन प्रभु राम के बाल रूप नूतन विग्रह को नवीन मंदिर के भूतल के गर्भगृह में विराजित कर प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। आनंद के इस वातावरण में प्राण प्रतिष्ठा की तिथि पर पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न एक बजे के मध्य अपने ग्राम, मोहल्ले व कालोनी के किसी मंदिर में रामभक्तों को एकत्र कर भजन–कीर्तन करें। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले मूर्ति प्राण–प्रतिष्ठा को लेकर मंदिर में काम तेजी से चल रहा है। श्री राम जन्मभूमि पर बना रहे भव्य मंदिर में गर्भगृह का काम पूरा हो गया है। आधार आसान समेत लाइटिंग भी पूरी कर दी गई है। अष्टकोणीय गर्भगृह की बेहद खूबसूरत दो तस्वीर शनिवार को साझा की गई ।श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने दोपहर बाद दो तस्वीरें साझा करते हुए लिखा की प्रभु श्री रामलला का गर्भ गृह स्थान लगभग तैयार है। हाल ही में लाइटिंग–फिटिंग का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। आपके साथ कुछ छायाचित्र साझा कर रहा हूँ। सोशल मीडिया पर इन दो तस्वीरें की सजा होते ही राम भक्तों ने इसे वायरल करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते हजारों श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के टैग के साथ इसे अपने–अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तस्वीर पोस्ट कर दी।शुक्रवार को ही श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से श्री राम जन्मभूमि परिसर में ही 11 केवीए विद्युत उपकेंद्र ऊर्जीकृत किया गया ।शुक्रवार से राम मंदिर का अपना बिजली घर चालू हो गया। 1250 किलो वाट के कनेक्शन के साथ दर्शन नगर स्थित 33/11केवी ए विद्युत उपकेंद्र से आपूर्ति शुरू की गई। इसके पहले कई बार बिजली सप्लाई का ट्रायल किया जा चुका है।

कैंसर संस्थान के डॉक्टरों की सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी

इमरजेंसी छोड़कर बन्द करेंगे सभी सेवाएं

लखनऊ। चक गंजरिया में स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशिलिटी कैंसर संस्थान में मरीजों के इलाज पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यहां के डॉक्टरों ने एसजीपीआई के बजाय मेडिकल कॉलेज के बराबर वेतनमान देने के आदेश के विरोध में संस्थान की सभी जिम्मेदारियों से इस्तीफा देने की चेतावनी दी है। सोमवार से इमरजेंसी को छोड़ बाकी सेवा बंद करने की भी घोषणा कर दी है।कैंसर संस्थान में 27 नियमित डॉक्टर और 100 से ज्यादा रेजिडेंट डॉक्टर हैं। ओपीडी में रोजाना करीब 200 मरीज आते हैं। बीते दिनों संस्थान के खाली पद भरने की बात हुई है। आठ दिसंबर को विशेष सचिव देवेंद्र कुमार सिंह कुशवाहा की ओर से आदेश जारी किया गया जिसमें कैंसर संस्थान के डॉक्टरों को मेडिकल कॉलेज के बराबर सातवां वेतनमान देने की बात कही गई। डॉक्टर इसका विरोध कर रहे हैं।फैकल्टी वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों का दावा है कि पहले पीजीआई के समान वेतनमान देने का वादा किया गया था। उन्हें मेडिकल कॉलेज के बराबर लाया जा रहा है। इसके विरोध में डॉक्टरों ने संस्थान में संभाली जाने वाली जिम्मेदारियां छोड़ दी हैं। सोमवार से इमरजेंसी को छोड़ बाकी काम–काज भी बंद रहेगा। केजीएमयू, लोहिया संस्थान और एसजीपीजीआई में भी कैंसर रोगियों का इलाज होता है, लेकिन यहां लंबी वेटिंग रहती है। ऐसे में कल्याण सिंह सुपर स्पेशिलिटी कैंसर संस्थान बहुत बड़ा सहारा है। यहां भर्ती क्षमता अभी कम है, फिर भी ओपीडी में रोजाना करीब 200 मरीज आते हैं। भर्ती मरीजों में से रोजाना आठ से दस की सर्जरी होती है। ऐसे में यहां के डॉक्टरों के काम बंद करने से मरीजों की परेशानी काफी बढ़ जाएगी, क्योंकि अन्य संस्थानों में पहले से ही इतनी

वेटिंग है कि इनका नंबर ही नहीं आ पाएगा। इस स्थिति में निजी अस्पताल जाने के सिवाय कोई चारा नहीं बचेगा।यहां इलाज कराना हर किसी के बस की बात नहीं है।80 एकड़ में फैले कल्याण सिंह सुपर स्पेशिलिटी संस्थान को उत्तर भारत के सबसे बड़े कैंसर संस्थान के तौर पर विकसित किया जाना है। डॉक्टरों के 62 नए पदों को शासन से स्वीकृति मिल गई है। अभी डॉक्टरों के 56, सीनियर रेजिडेंट के 69, जूनियर रेजिडेंट के 63 और आउटसोर्सिंग के माध्यम से 217 पद स्वीकृत थे। इस समय संस्थान में डॉक्टरों के 27 पद ही भरे हैं। सीनियर रेजिडेंट व जूनियर रेजिडेंट भी आधी संख्या में ही काम कर रहे हैं।निदेशक प्रो. आरके धीमन का कहना है कि कैंसर संस्थान के डॉक्टरों को एसजीपीजीआई के समान छठा वेतनमान मिल रहा है। सातवें वेतनमान के लिए डॉक्टर कोर्ट गए थे। मामला विचाराधीन हैबइसलिए इस पर कुछ नहीं किया जा सकता। आठ दिसंबर को जारी हुआ आदेश संस्थान में होने वाली नई भर्तियों के लिए है। इससे उनका लेना–देना नहीं है। डॉक्टरों को यह बात समझाने का प्रयास किया जा रहा है।फैकल्टी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. शरद सिंह का कहना है कि सुपर स्पेशियलिटी डॉक्टरों के साथ अन्याय हो रहा है। एसजीपीजीआई के साथ समानता न होने से राष्ट्रीय स्तर की कई सुपर स्पेशलिस्ट फैकल्टी पहले ही संस्थान छोड़ चुकी है।मामला कोर्ट में है तो इस तरह के आदेश के लिए शासन को पत्र क्यों भेजा गया है। कार्यवाहक निदेशक से अनुरोध है कि शासनादेश तत्काल वापस लेने के लिए सरकार को पत्र भेजें।

सुरक्षा बलों को देख एयरपोर्ट पर सोने से भरा बैग छोड़ भागा यात्री

लखनऊ। लखनऊ में मस्कट से आई फ्लाइट में एक मुसाफिर ने अपना बैग टर्मिनल की बस में ही छोड़ दिया। जब सीआईएसएफ व कस्टम अधिकारियों ने इस बैग को देखा तो खोलकर चेक किया।

बैग को जब अधिकारियों ने खोला तो वे चौक गए। इस बैग में सोने का पेस्ट भरा हुआ था जिसकी कीमत करीब 87 लाख रुपये है। अफसर मामले की जांच कर रहे हैं। एयर इंडिया का विमान डब्ल्यूयूवाई –261 लखनऊ एयरपोर्ट पर मस्कट से पहुंचा था। यात्रियों को टर्मिनल बस से एयरपोर्ट तक लाया जा रहा था। सीआईएसएफ की कड़ी सुरक्षा थी। सख्त चेकिंग के बीच एक ओर यात्री काफी डर गया और सोने का बैग टर्मिनल पर छोड़ भाग गया। जब कस्टम विभाग और सीआईएसएफ ने टर्मिनल के बस में रखे बैग की जांच की तो उसके अंदर सोने का पेस्ट मिला जिसकी कीमत 87 लाख रुपये आंकी गई। इसके बाद श्रम मंत्रालय से इस मामले पर जानकारी मांगी गई। पता चला कि एक शख्स मस्कट से आया है और यह बैग बस में ही छोड़ दिया।विमान से उतरने के बाद मस्कट के यात्री टर्मिनल बस में बैठ गए लेकिन बस से उतरने और गाड़ी चलाने से पहले उन्होंने गहन निरीक्षण के लिए अपना सामान बस में ही छोड़ दिया। सीआईएसएफ को पता चला कि कोई अपना बैग भूल गया है। सुरक्षा गार्ड ने बैग खोला तो अंदर सोना था। पुलिस ने सोने को जब्त कर लिया और मामले की जांच चल रही है।

मायावती का बड़ा एलान, भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती (ठीनरंद ँउंर च्तंजल च्तमेपकमदज डंलूंजप) ने आज अपने भतीजे आकाश आनंद को बसपा का नेतृत्व करने के लिए अपना उत्तराधिकारी बना दिया। आकाश आनंद इस समय बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक के आधिकारिक पद पर हैं। लखनऊ में एक पार्टी बैठक को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा किहालांकि वह उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की कमान संभालती रहेंगी, लेकिन आकाश आनंद अन्य राज्यों के संबंध में फैसले लेंगे। इससे पहले अगस्त में, बसपा ने आकाश आनंद के नेतृत्व में 14 दिवसीय सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय संकल्प यात्रा शुरू की थी। 2019 के आम चुनावों की अगुवाई करते हुए, आनंद को मीडिया में तब प्रसिद्धि मिली जब मायावती ने घोषणा की कि उनका भतीजा राजनीति की जटिलताओं से परिचित होने के लिए बसपा आंदोलन का हिस्सा बनेगा। 2019 में चुनाव आयोग द्वारा मायावती पर 48 घंटे के प्रचार प्रतिबंध के बाद, आकाश ने राजनीतिक मंच पर अपनी शुरुआत की, अपनी पहली रैली को संबोधित किया और लोगों को एसपी–बीएसपी–आरएलडी गठबंधन का समर्थन करने का आह्वान किया।

रोडवेज की एसी बसों सफर होगा सस्ता, 16 दिसंबर से किराए में कटौती

बस्ती। रोडवेज की एसी बसों में 16 दिसंबर से किराया 10 फीसदी तक घट जाएगा। सर्दियों का सीजन शुरू होने के साथ जनरथ श्रेणी की एसी बसों में यात्रियों की संख्या घटने पर परिवहन निगम ने यह निर्णय लिया है। बस्ती डिपो के पास जनरथ श्रेणी की चार बसें हैं। इनका संचालन लखनऊ और दिल्ली रुट पर किया जाता है। गर्मियों के सीजन में बसों में सीटों के लिए मारामारी रहती है। यात्री ऑनलाइन बुकिंग भी कराते हैं, लेकिन सर्दियों के सीजन में यात्रियों की संख्या कम हो जाती है। सामान्य श्रेणी की बसों के मुकाबले जनरथ बसों में किराया 40 फीसदी तक ज्यादा है। अब यात्रियों को दिल्ली और लखनऊ की यात्रा के लिए कुल किराये का 10 फीसदी कम भुगतान करना होगा। किराया घटाने संबंधी निगम मुख्यालय का आदेश आने के बाद स्थानीय स्तर पर विभिन्न रूटों पर ईटीएम में किराया फीड कर दिया गया है। यह 15 दिसंबर की रात 12 बजे से लागू हो जाएगा। एआरएम आयुष भटनागर ने बताया कि किराया कटौती किए जाने से एसी बसों में यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा।

सीएमएस में अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड का उद्घाटन आज

प्रख्यात पर्यावरणविद् डा. हीरालाल, आई.ए.एस. करेंगे उद्घाटन

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस द्वारा आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड (आई.ई.ओ.–2023) का उद्घाटन प्रख्यात पर्यावरणविद् डा. हीरालाल, आई.ए.एस., विशेष सचिव, सिंचाई विभाग, उ.प्र., कल 11 दिसम्बर, सोमवार को अपरान्हः 3.00 बजे विद्यालय के ऑडिटोरियम में करेंगे। डा. हीरालाल पर्यावरण विशेषज्ञ एवं क्लाइमेट एक्शन लीडर के रूप में जाने जाते है। आपने प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए जनमानस को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया है, साथ ही जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा देने में अमूल्य योगदान दिया है। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि आई.ई.ओ.–2023 का आयोजन 11 से 14 दिसम्बर तक सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया जा रहा है, जिसमें नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, अमेरिका, रूस, यू.ए.ई., सऊदी अरब एवं भारत के विभिन्न प्रान्तों की छात्र टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। पर्यावरण पर आधारित यह अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पियाड पर्यावरणीय मुद्दों को मानवीय चेहरा देने का सतत् प्रयास है। श्री शर्मा ने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पियाड के अन्तर्गत देश–विदेश के प्रतिभागी छात्रों हेतु विभिन्न रोचक

प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें एलोक्यूशन, फोटोग्राफी, स्पेस इनोवेटर्स चैलेन्ज, पेन्टिंग, गेमिंग एप्लीकेशन, इन्वायर्नमेन्टल क्विज, कोरियोग्राफी, कोर्ट रूम ड्रामा, ए–कैपेला एवं फ्यूचर फ्रेण्डली स्कूल आदि प्रमुख हैं। श्री शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि यह ओलम्पियाड किशोर एवं युवा पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति उनके दायित्वों से अवगत कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

सम्पादकीय

भयावह दौर से गुजरता युवा वर्ग

पिछले लम्बे अरसे से देश का युवा भयावह दौर से गुजर रहा है। कोरोना काल और सरकारी नौकरी पर विश्व बैंक के दबाव ने केन्द्र और राज्य सरकार की भारी भरकम नौकरियॉ खत्म कर दी है। रही सही कसर ठेका प्रणाली ने पूरी कर दी है। सरकारी क्षेत्रों में रिक्तियॉ होने के बावजूद नौकरी के विज्ञापन न आने के कारण लाखों युवा नौकरी की उम्र पार कर गए है। कुल मिलाकर देश का युवा वर्तमान समय में भयावह दौर से गुजर रहा है। उसकी मानसिक हालत दिन पर दिन बिगड़ रही है। महंगाई और बेरोजगारी, 2022 की सबसे बड़ी चिंताएं थीं जो विरासत में 2023 में भी एक खघ्तरनाक, लंबी और तकलीफदेह मंदी बनी रही। 2008 की आर्थिक मंदी की भविष्यवाणी करने वाले अर्थशास्त्री नूरिएल रुबिनी तो कह चुके हैं कि दुनिया 1970 के दौर जैसी विकट आर्थिक स्थिति की ओर जा रही है। आर्थिक, सामाजिक बदलावों के साथ मध्यवर्ग का स्वरूप बदल रहा है। यह अब 30–40 करोड़ लोगों का देशव्यापी वर्ग है, जो प्रभावशाली है, जिसकी आवाज मजबूत है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय फलक पर बड़े नेता के तौर पर उभरे तो इसके पीछे मध्यवर्ग का बड़ा हाथ था। यह वर्ग देश की बागडोर मजबूत, निर्णायक नेतृत्व के हाथ में देखना चाहता था। इसके पीछे मध्यवर्ग के अपने स्वार्थ थे। मध्यवर्ग की ख्वाहिश थी कि आर्थिक तरक्की उस दिशा में हो, जिसकी उपलब्धियों का लाभ उसे मिले। लेकिन मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में भी रोजी–रोजगार के घटते अवसर, सरकारी भर्तियों पर अघोषित रोक व बंद होते कल–कारखानों के कारण युवा पीढ़ी भटकाव की तरफ बढ़ रही है। कुछ लोग अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए जरायम पेशा अपनाने को मजबूर हैं। वहीं उच्च शिक्षा प्राप्त युवा वर्ग रोजी–रोजगार के लिए नेताओं के पीछे–पीछे चलने को मजबूर हैं। बावजूद इसके उन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा है लेकिन नेताओं की तिजोरियां जरूर भर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुद्रा योजना से युवाओं को स्वरोजगार के लिए कई योजनाओं की घोषणा कर रखी है, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों में जनहित के प्रति उपेक्षात्मक रवैया व बैंकों के असहयोग के चलते उनकी योजनाएं परवान नहीं चढ़ पा रही है। अभी हाल कई उद्योग ने हजारों कामगारों को काम न होने के कारण निकाल दिया। इस तरह की हजारों कंपनियों ने रास्ता अख्तियार किया है, जिससे लाखों लोगों की नौकरियां चली गई और सरकारें इस पर चुप्पी साधे हुई है। अगर यही क्रम जारी रहा है तो आगे क्या होगा, यह कहना कठिन होगा। इसी मुद्दे पर क्षेत्र के प्रमुख लोगों से बात करने पर उनके अंदर से कुछ इस तरह के विचार सामने आए। भले सरकार विकसित भारत या खुशहाल भारत का ढिढोरा पीटे, कितु आज रोजी–रोजगार के नाम पर देश की स्थिति भयावह है। जो नीतियां इस संदर्भ में मनमोहन सिंह की सरकार ने लागू की थी, उसी को मोदी सरकार आगे बढ़ा रही है और काफी तेजी से आगे बढ़ा रही है। इससे युवाओं को नौकरियां नहीं मिल पा रही है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी छोटी–छोटी नौकरियों के लिए युवा लाइन लगा रहे हैं। बावजूद उन्हें नौकरियां नहीं मिल पा रही है। ऐसे में समृद्ध भारत का नारा किस तरह साकार होगा, समझ में नहीं आ रहा है।सबसे खास बॉत यह कि जब सरकार स्वंय इस बॉत को स्वीकार कर रही है कि देश की आधी से अधिक आबादी के भरण पोषण के लिए निःशुल्क गेहूँ चावल दे रही है तो पता चलता है कि देश की आधी से अधिक आबादी के हालत कितनी बद्दतर है। यूपीए–2 सरकार के मुकाबले नरेंद्र मोदी के रूप में मजबूत और निर्णायक नेतृत्व सामने आया, जो देश की रक्षा और अर्थव्यवस्था से जुड़े बड़े फैसले लेने में सक्षम था। मध्यवर्ग को मिली इस कामयाबी से देश में खुशनुमा माहौल बना था। लेकिन आज यह उत्साह ठंडा पड़ता दिख रहा है। मध्यवर्ग में उदासी है। मोदी जैसे सशक्त नेतृत्व से उसकी जो अपेक्षाएं थीं, वे पूरी नहीं हो पाईं। सबसे ज्यादा परेशानी नौकरियों और अर्थव्यवस्था को लेकर है। ऐसा नहीं कि पिछले तीन–चार साल में आर्थिक तरक्की कतई नहीं हुई, मगर जैसी उम्मीद थी, वैसे नतीजे नहीं आए। हालांकि, इस दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ, कच्चे तेल के दाम भी काबू में रहे। मगर भारत में यह रोजगारहीन विकास का दौर रहा। नई नौकरियों के पैदा होने की रफ्तार बेहद सुस्त पड़ गई।कुल मिलाकर मोदी सरकार के वायदों और उनके पूरा होने के बीच एक फासला है! रही–सही कसर नोटबंदी और जीएसटी ने पूरी कर दी। नोटबंदी के दौरान जो मध्यवर्ग मोदी सरकार का पक्का समर्थक बनकर लाइनों में खड़ा रहा, जीएसटी ने उसकी भी सोच बदल दी। जिन–जिन वजहों से मध्यवर्ग ने अपनी आकांक्षाओं के लिए नरेंद्र मोदी में भरोसा किया था, उससे मोहभंग हुआ है। वैसे, माना जाता है कि मध्यवर्ग थोड़ा स्वार्थी और खुद में सिमटा वर्ग है। वह समाज की व्यापक पीड़ा से जुड़ता नहीं है। लेकिन मीडिया के असर और कई दूसरी वजहों से भी यह स्थिति बदल रही है। अब मध्यवर्ग देशव्यापी है। शहर की तरह गांवों में भी एक मध्यवर्ग है। किसानों के बीच भी एक मध्यवर्ग बन गया है जो कृषि की दुर्दशा और आरक्षण के झगड़ों से खुद को जोड़कर देखता है। मध्यवर्ग अब शहरी–ग्रामीण फिनॉमिना बन गया है। सबसे छोटा शहर, एक बड़ा गांव है। बहुत बड़ा गांव, एक छोटा शहर। शहर और गांव का विभाजन मिटता जा रहा है। इसलिए अब ऐसा नहीं कहा जा सकता कि कृषि संकट से मध्यवर्ग का कोई लेना–देना नहीं है। इस लिहाज से देखें तो मध्यवर्ग का विस्तार हो रहा है। इसलिए उसकी अनदेखी करना और भी मुश्किल है।हालांकि, मध्यवर्ग बड़ा व्यावहारिक तबका है। वह चाहता है कि नौकरियां मिलें, सुरक्षा मिले, आर्थिक अवसर बढ़ें, आय बढ़े, उसकी खुशहाली के अवसर पैदा हों। अगर यह सब होता रहे तो वह अति राष्ट्रवादी या सांप्रदायिक एजेंडे को भी निभा लेगा। लेकिन धंधे पर चोट हो, आमदनी न बढ़े, महंगाई बढ़ती रहे, तब सवाल उठता है कि मध्यवर्ग में सांप्रदायिक और अति राष्ट्रवादी मुद्दों से कब तक उत्साह भरा जा सकता है। मौजूदा सामाजिक अस्थिरता, हिंसक भीड़ की सरेआम हत्या की घटनाओं, बढ़ती सांप्रदायिकता ने मध्यवर्ग में बेचौनी को बढ़ा दी है। यह भी मध्यवर्ग के मोहभंग का एक कारण है। एक तरफ भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गयी है वहीं देश विश्व भूख सूचकांक में अभी तक बहुत नीचे बना हुआ है। उज्ज्वला योजना में लोगों को रसोई गैस सिलेंडर तो दे दिये गये किंतु उनके पास उसे भरवाने के लिए पैसे नहीं हैं। सबसे खॉस बॉत यह कि आज देश में अनपढ़ मजदूर तो तीन से चार सौ रूपये दिन की मजदूरी तो हासिल कर ले रहा है लेकिन पढ़ा लिखा वर्ग इससे भी वंचित है। कुल मिलाकर सरकार के लाख दावों के बीच बेरोजगारी और महंगाई के चलते देश का 90 प्रतिशत युवा विचलित और भटकाव के दौर से गुजर रहा है।

महंगाई के मोर्चे पर सरकार

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद अब अगले वर्ष लोकसभा चुनावों की तैयारियों में सभी दल लगे हुए हैं। तीन राज्यों में भाजपा की जीत से मोदी सरकार भी काफी उत्साहित है। सरकार का ध्यान इस बात की ओर भी है कि आम चुनावों से पहले महंगाई को किस तरह नियंत्रित किया जाए। सरकारों का यह दायित्व भी है कि आम आदमी को राहत पहुंचाने के लिए हर सम्भव उपाय करें। बाजार पर लगातार नजर रखकर सरकार ने पहले भी कई पग उठाए हैं। सरकार ने अब गेहूं की जमाखोरी रोकने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल प्रभाव से थोक और खुदरा विक्रेताओं और प्रोसेसिंग फर्मों के लिए गेहूं का स्टॉक रखने के मानदंडों को सख्त कर दिया है। व्यापारियों और थोक विक्रेताओं के लिए गेहूं के भंडारण की सीमा 2000 टन से घटाकर 1000 टन कर दी है। व्यापारियों को स्टॉक को संशोधित सीमा तक कम करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है। सभी गेहूं स्टॉकिंग संस्थाओं को गेहूं स्टॉक सीमा पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। अगर ऐसा नहीं किया गया तो व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने एक बार फिर प्याज की बढ़ती कीमतों को काबू करने के लिए अगले साल मार्च तक प्याज निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे पहले जून माह में खाद्य मंत्रालय ने अनाज कारोबारियों पर मार्च 2024 तक स्टॉक रखने की सीमा तय की थी। सरकार ने मई 2022 से ही गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। इसके साथ ही मुक्त बाजार बिक्री योजना के तहत थोक उपयोगकर्ताओं को रियायती दर पर गेहूं बेचा जा रहा है। तमाम कोशिशों के बावजूद गेहूं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। त्यौहारी सीजन में तो इसकी कीमत आठ माह के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। गेहूं की कीमतें पिछले 6 महीने में 22 प्रतिशत बढ़ी हैं। व्यापारियों का कहना है कि इंपोर्ट ड्यूटी से खाद्य आयात प्रभावित हो रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार एक अक्टूबर तक सरकारी गेहूं स्टॉक में सिर्फ 24 मिलियन मीट्रिक टन गेहूं भंडार था, जो पिछले पांच वर्षों में औसत 37.6 मिलियन टन से बहुत कम था। केंद्र ने 2023 फसल सीजन में किसानों से 26.2 मिलियन टन गेहूं खरीदा है, जो लक्ष्य 34.15 मिलियन टन से कम है। वहीं, केंद्र सरकार का अनुमान है कि गेहूं उत्पादन 2023–24 फसल सीजन में 112.74 मिलियन मीट्रिक टन होगा। इससे खाद्य पदार्थों की लागत कम होगी। वहीं, लगातार गेहूं के इंपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए आयात शुल्क खत्म करने की भी मांग की जा रही है। अभी सरकार गेहूं पर 40 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी लगाती है, जिसके चलते इसका आयात महंगा है। केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की अवधि पांच वर्ष बढ़ाने का निर्णय लिया हुआ है। इस योजना के अन्तर्गत 81.35 करोड़ लोगों को हर महीने पांच किलो अनाज निःशुल्क दिया जाएगा। अगामी पांच वर्षों में इस योजना पर 11.80 लाख करोड़ खर्च होने का अनुमान है। इस योजना में हर वर्ष भारतीय खाद्य निगम राज्यों के सहयोग से 5.5 करोड़ टन से अधिक अनाज का वितरण करता है। खुले बाजार में अनाज की कीमतें नियंत्रित रखने में भी खाद्य निगम के भंडार बड़ा योगदान करते हैं। इससे आबादी के उस हिस्से की खाद्य सुरक्षा भी सुनिश्चित रहती है, जिसे खुले बाजार से गेहूं खरीदना पड़ता है। सरकार तभी कम्फरटेबल जोन में होती है जब वह खरीद का टार्गेट पूरा कर लेती है। सरकारी स्टॉक अच्छा न होने की स्थिति में व्यापारी गेहूं के दाम बढ़ा देते हैं। खाद्य निगम ने बाजार में गेहूं उपलब्ध कराने के लिए खुले बाजार में गेहूं बेचने का निर्णय भी लिया हुआ है। जहां तक प्याज का संबंध है, बाजार में उसकी कीमत फिर 70–80 रुपए किलोग्राम तक पहुंच गई है। इससे आम उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ने लगा है। सरकार ने एक बार फिर प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है ताकि लोग प्याज के घलिए आंसू न बहा सकें। सरकार ने समय–समय पर 25 रुपए किलो प्याज उपलब्ध कराने के लिए बफर स्टॉक बेचने का फैसला किया था। सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क भी लगाया था। एक अप्रैल से 4 अगस्त के बीच देश से 9.75 लाख टन का निर्यात किया गया था। खरीफ फसल सत्र में प्याज की खेती के रकबे की कमी की खबरों के बीच इसके दाम फिर बढ़ने लगे हैं। दामों का गणित समझने से पहले हमें खाद्यान्न उत्पादन, खपत और सरकारी खरीद का हिसाब–किताब समझना होगा। रिजर्व बैंक भी महंगाई को नियंत्रित करने के लिए लगातार काम कर रहा है। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि आम आदमी की जेब में बचत के कुछ न कुछ पैसे तो जरूर होने चाहिए। इससे आम आदमी निश्चिंत होकर अपने जीवन के अन्य पक्षों पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं। अगर महंगाई के चलते वह कुछ नहीं बचा पाता तो फिर वह बाजार में खरीददारी करने कैसे जाएगा। महंगाई के मोर्चे पर सरकार को कुछ ठोस कदम उठाने ही पड़ते हैं। सरकार बाजार पर लगातार निगरानी रख रही है।

इंडिया गठबन्धन का भविष्य

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद यह सवाल बहुत गंभीरता से उठने लगा है कि विपक्षी दलों के बने 'इंडिया गठबन्धन' का भविष्य क्या होगा? तीन हिन्दी भाषी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी को जो तूफानी जीत हासिल हुई है और लोगों ने बिना किसी मुख्यमन्त्री का चेहरा आगे रखे अपना वोट प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर दिया है उसका असर लोकसभा चुनावों पर क्या होगा? जाहिर है यह सवाल 28 दलों के गठबन्धन 'इंडिया' को भीतर तक प्रभावित कर रहा होगा। अगर हम गौर से देखें तो इस गठबन्धन की सबसे बड़ी ताकत कांग्रेस पार्टी है जो कि भाजपा के बाद देश की एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है। विडम्बना यह है कि गठबन्धन में शेष सभी पार्टियां छोटे–बड़े क्षेत्रीय दल हैं और आगामी लोकसभा चुनावों में ये सभी दल कांग्रेस की कीमत पर अपनी ताकत बढ़ाना चाहती हैं। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि हाल में सम्पन्न राज्यों के चुनावों में इंडिया गठबन्धन की सदस्य दो पार्टियों समाजवादी पार्टी व आम आदमी पार्टी ने इन राज्यों में अपने प्रत्याशी उतार कर केवल कांग्रेस के वोट ही हजम करना चाहे।

मध्य प्रदेश में उत्तर प्रदेश के अखिलेश यादव की पार्टी ने 70 से ज्यादा उम्मीदवार उतारे जबकि 'आप' ने 100 से भी ज्यादा प्रत्याशी इस राज्य में उतारे जबकि आप ने राजस्थान से लेकर मिजोरम तक में भी जोर–आजमाइश में हिस्सा लिया। इन चुनावों में कांग्रेस केवल तेलंगाना में ही जीती और चार अन्य राज्यों में हारी मगर उसके वोट प्रतिशत में कमी नहीं हुई बल्कि कुछ राज्यों में बढोत्तरी हुई। इसका सीधा मतलब यही निकलता है कि भारत के लोग भाजपा के असली विरोधी के रूप में कांग्रेस को ही मान्यता देते हैं। अतः गठबन्धन में कुछ क्षेत्रीय दलों का यह विमर्श कांग्रेस को ही कमजोर करने के अलावा और कुछ नहीं हो सकता कि जिस राज्य में जो क्षेत्रीय दल मजबूत है उसकी अगुवाई में ही वहां लोकसभा चुनाव लड़ा जाये। यह विमर्श चुनाव से पहले ही चुनाव हारने की घोषणा है क्योंकि लोकसभा चुनावों में असली मुकाबला प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रिय छवि से होना है। इसका मुकाबला करने के लिए विपक्ष को अपनी तरफ से कोई ऐसा राष्ट्रीय विकल्प देना होगा जो श्री मोदी की लोकप्रियता को टक्कर देता हुआ लगे। राज्यों के चुनाव में कांग्रेस ने मतदाताओं के सामने 'लोक कल्याणकारी राज' का सशक्त विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जिसमे उसे आंशिक सफलता ही मिल पाई क्योंकि कांग्रेस का वोट बैंक बढ़ने के बावजूद विजय श्री मोदी की लोकप्रियता की हुई। लोकसभा चुनावों में यह चुनौती और भी अधिक मजबूत बन कर उभर सकती है। अतः इंडिया गठबन्धन को बजाये आपस में सीटों के लिए लड़ने के लोकप्रिय जन विमर्श की तलाश अभी से करनी होगी क्योंकि राज्यों में भी भाजपा जिस प्रकार राष्ट्रीय मुद्दे उठाकर और आंचलिक लोक विसंगतियों को सतह पर चुनाव जीती है उससे उसकी चुनावी कुशाग्रता का अन्दाजा लगाया जा सकता है। इंडिया गठबन्धन को यह भी विचार करना होगा कि भाजपा की केन्द्र सरकार जिस प्रकार से 'सरकारी विकास यात्राओं' का अखिल भारतीय स्तर पर आयोजन कर रही है वह 'लोक कल्याणकारी राज' का ही एक स्वरूप ले सकता है अतः इंडिया गठबन्धन में शाम्मिल क्षेत्रीय दल इसका मुकाबला अपने जातिवादी एजैंडे से नहीं कर सकते क्योंकि इन यात्राओं का सर्वाधिक लाभ समाज के दबे व पिछड़े वर्ग को ही होने जा रहा है। ये यात्राएं चुनाव के समय 'मोदी के समाजवाद' के रूप में पेश करने से भाजपा क्यों हिचकेगी? इसके साथ ही कांग्रेस को भी यह ध्यान रखना होगा कि भारत में बाजार मूलक अर्थव्यवस्था का दौर 1991 में वही लाई थी। वर्तमान समय इसी व्यवस्था का चरम स्वरूप है। अतः इंडिया गठबन्धन के क्षेत्रीय दलों को ही किसी ऐसे वैकल्पिक विमर्श को खड़ा करने के लिए कांग्रेस को मनाना होगा जिसके तार गांधीवादी विचारों से जाकर जुड़ते हों और जो अर्थव्यवस्था में दबे व पिछड़े लोगों को मुख्य भूमिका देते हों। यह कोई छोटी चुनौती नहीं है क्योंकि जब भारत में कोई एक नेता जन प्रियता में शिखर को छूने लगता है तो उसे उसकी सरकार की नीतियों को निशाने पर रखकर ही जनता का मोह भंग किया जा सकता है। सवाल यही है कि क्या इंडिया गठबन्धन में सिवाय कांग्रेस के किसी अन्य दल में ऐसा सोचने की क्षमता है? इसमें तो हर क्षेत्रीय दल का नेता स्वयं को अपने राज्य में सर्वाधिक लोकप्रिय मानने के भ्रम में रहता है। इसके साथ विदेश नीति से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा नीति और शिक्षा नीति से लेकर स्वास्थ्य नीति तक पर सबके अलग–अलग विचार सामने आते रहते हैं। जबकि दूसरी तरफ भाजपा के विचार हिन्दुत्व व राष्ट्रवाद के दायरे में इन सब विषयों पर अपनी नीतियों का बखान करते दिखते हैं। अब लोकसभा चुनावों में केवल चार महीने का समय बचा है मगर इंडिया गठबन्धन में अभी तक इस बात पर सहमति नहीं बन पाई है कि ये राष्ट्रीय चुनाव किस वैकल्पिक विमर्श पर लड़े जायेंगे। हम 'भारत का विचार' या 'आईडिया ऑफ इंडिया' की विभिन्नता की बात तो करते हैं मगर राजनीति में धर्म के दखल पर चुप्पी लगा जाते हैं। इन विरोधाभासों को दूर करके ही कोई सशक्त विकल्प उभर सकता है। दोनों नावों में पैर रखने से कभी दरिया पार नहीं हो सकता।

सिख अलगाववादियों को निशाना बनाने वाले 'Secret Memo' की रिपोर्ट को विदेश मंत्रालय ने बताया फर्जी, कहा– पूरी तरह से मनगढ़ंत

भारत सरकार ने रविवार को उस मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया जिसमें दावा किया गया था कि विदेश मंत्रालय (एमईए) ने उत्तरी अमेरिका में भारतीय दूतावासों को एक गुप्त ज्ञापन भेजा था, जिसमें उनसे हरदीप सिंह निज्जर सहित खालिस्तानी आतंकवादियों पर कार्रवाई करने के लिए कहा गया था।

एक बयान में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने रिपोर्ट को फर्जी और ष्पूरी तरह से मनगढ़ंतष कहा और ष्पाकिस्तानी खुफिया द्वारा फैलाए गए फर्जी आख्यानों का प्रचारष करने के लिए मीडिया आउटलेट की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट भारत के खिलाफ निरंतर दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा थी।

विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि हम दृढ़ता से दावा करते हैं कि ऐसी रिपोर्टें फर्जी और पूरी तरह से मनगढ़ंत हैं। ऐसा कोई ज्ञापन नहीं है। यह भारत के खिलाफ निरंतर दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है। विचाराधीन आउटलेट पाकिस्तानी खुफिया द्वारा फैलाए गए फर्जी आख्यानों के प्रचार के लिए जाना जाता है। लेखकों की पोस्ट इस संबंध की पुष्टि करें। जो लोग ऐसी फर्जी खबरों को बढ़ावा देते हैं वे केवल अपनी विश्वसनीयता की कीमत पर ऐसा करते हैं।

अमेरिका स्थित एक प्रकाशन की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा के सरे में मारे जाने से दो महीने पहले, कथित तौर पर विदेश मंत्रालय द्वारा अप्रैल में एक ज्ञापन भेजा गया था, जिसमें उत्तरी अमेरिका में दूतावासों को निज्जर के खिलाफ ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया गया था। कथित मेमो में कई खालिस्तानी आतंकवादियों को सूचीबद्ध किया गया था जिनकी भारत की खुफिया एजेंसियों द्वारा जांच की जा रही थी।

निज्जर की हत्या से सितंबर में भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद शुरू हो गया जब कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया कि ष्भारत सरकार के एजेंटष खालिस्तानी आतंकवादी की हत्या से जुड़े थे। भारत ने कनाडा के दावों को खारिज कर दिया और ट्रूडो सरकार से अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने को कहा।

निज्जर, जिसे 2020 में भारत द्वारा आतंकवादी नामित किया गया था, प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख था। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे में दो अज्ञात बंदूकधारियों ने एक गुरुद्वारे के बाहर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी।

इंटरनेट, कंप्यूटर और मोबाइल आम उपभोक्ता की जेबों में सुराग

टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट के अविष्कार के बाद मानवीय संचार माध्यम के अविष्कार के बाद संचार विज्ञान के इतिहास में अत्यंत समीचीन तथा भविष्य का एक तूफानी विकास है। विभिन्न संचार माध्यमों के आपस में जुड़े कंप्यूटर एवं विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का समूह कंप्यूटर नेटवर्क कहा जाता है, और इन्हीं कंप्यूटर नेटवर्क का विश्व स्तरीय अंतरजाल को अंग्रेजी में इंटरनेट कहा जाता है। अमेरिका में एक दूसरे के सूचना माध्यमों को जोड़कर जानकारी गुप्त रूप से आदान–प्रदान करने के लिए 1969 में अमेरिका में कंप्यूटर में श्अपारनेटश की स्थापना की गई थी। इसी परिकल्पना के साथ कंप्यूटर नेटवर्क, आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क इंटरनेट के रूप में परिवर्तित हो गया। इंटरनेट का सार्थक उपयोग समाज में शिक्षा संगठन और भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पॉजिटिव ट्रैक होने के साथ एक चमत्कारिक परिवर्तन समाज में आया है। आज लोगों के शौक खेलना, पढ़ना ,संगीत सुनना, चित्र बनाना ,फोटोग्राफी परिवर्तित होकर 90: लोगों के इंटरनेट सर्फिंग, संगीत सुनना और चित्र बनाने जैसे शौक इंटरनेट से मोबाइल अथवा कंप्यूटर के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। विश्व में जनसंख्या के हिसाब से 4 अरब लोग इंटरनेट कंप्यूटर तथा मोबाइल के माध्यम से सुबह शाम इस्तेमाल कर रहे हैं। भारतीय परिपेक्ष में 140 करोड़ की अनुमानित जनसंख्या वाले देश में लगभग 40: लोग मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग कर एक दूसरे से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इंटरनेट एक ऐसा सेवक है जो मोबाइल के माध्यम से आपके सभी आदेशों का पालन करने के लिए दिन रात उपलब्ध है। मोबाइल और कंप्यूटर में उपयोग होने वाला इंटरनेट एक ऐसा अंतरजाल है जिस का आविष्कार सूचनाओं को साझा करने के उद्देश्य किया गया था और अब सूचना प्रौद्योगिकी के इस वर्तमान काल में दस्तावेजों एवं ध्वनि माध्यम के साथ वीडियो का आदान प्रदान करना भी इंटरनेट के माध्यम से संभव हो गया है। हवाई जहाज की, होटल की, किताबों की और व्यापार बढ़ाने की योजनाओं की बुकिंग इंटरनेट द्वारा घर बैठे कंप्यूटर या मोबाइल से किया जा सकता है। सरकार की प्रशासनिक कार्यों से लेकर व्यापार ,शिक्षा के नव अवसर भी इंटरनेट के माध्यम से पूर्ण किए जाने लगे हैं। इंटरनेट ने पूरे विश्व को एक दूसरे के एकदम करीब लाने के साथ–साथ सूचना प्रौद्योगिकी में एक चमत्कारिक परिवर्तन लाया है। भारत में इस इंटरनेट या अंतरजाल ने जहां पूरे भारत को एक करके रख दिया है वहीं दूसरी तरफ इंटरनेट की सेवाएं जो एयरटेल आइडिया, डोकोमो, टाटा,जिओ और बीएसएनएल जैसी कंपनियां भारतीय उपभोक्ताओं को शहर से लेकर गांव तक अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। दूसरी तरफ पूर्व में जहां गरीब उपभोक्ता 10 से लेकर 100 तक आसानी से रिचार्ज करा लिया करता था ,अब इंटरनेट की कंपनियां 200 से लेकर 1000 तक बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट की सुविधा भी साथ में उपलब्ध करा रहे हैं जो सीधे–सीधे आम उपभोक्ता के लिए उनकी आर्थिक स्थिति में सेंधा मारने जैसा कार्य है। हालांकि यह सेवाएं स्वैच्छिक हैं, उपभोक्ता इंटरनेट की सेवाएं लेना चाहे तो ले अन्यथा केवल बातचीत करने की सेवाएं सी ले सकता है,पर एक बार इंटरनेट इस्तेमाल करने की आदत पड़ने के बाद उपभोक्ता इसका आदी होने लगता है।अब स्थिति यह है कि सीधा 28,58,89 दिनों के लिए इंटरनेट के साथ बात करने की सुविधा महंगी दरों में उपलब्ध कराई जा रही है। जिससे गरीब उपभोक्ता की जेबों में हमला कर उनका मासिक बजट बिगाड़ने का काम हो रहा है, इस तरह से बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट भी दिया जाना भारत के ग्रामीण क्षेत्र में गरीब व्यक्ति को और भी गरीबी के दलदल में धकेलने जैसा ही है। यह सभी कंपनियों का गरीब उपभोक्ता के जेबों में सीधे–सीधे पैसे निकालने का सुनियोजित षड्यंत्र की तरह कर रहीं है। भारत के हर तीसरे व्यक्ति के पास एंड्राइड या स्मार्टफोन उपलब्ध है और यह बड़ी कंपनियां हर माह इन उपभोक्ताओं को आवश्यक रूप से इंटरनेट उपलब्ध कराने के पैकेज देकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास कर रही है, इस पर प्रभावी नियंत्रण अति आवश्यक है। इस तरह के मोबाइल रिचार्ज पर सरकार को कड़ा कानून बनाकर इस के नियमन पर नियंत्रण रखना होगा। यह एक तरह की उपभोक्ताओं की परोक्ष तथा अदृश्य भावनाओं से खेल कर उनके बजट से आर्थिक लाभ लेने की सुनियोजित योजनाएं हैं ,जिनमें तत्काल नियंत्रण की आवश्यकता होगी। भारत में इंटरनेट सेवा की शुरुआत भारत संचार निगम लिमिटेड ने वर्ष 1995 की थी अब एयरटेल, रिलायंस, टाटा इंडीकॉम, वोडाफोन, जैसी दूरसंचार कंपनियां इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराती है। विज्ञान की प्रकृति के साथ–साथ सूचना संचार माध्यम में आशातीत वृद्धि हुई है। इंटरनेट के माध्यम से न केवल उच्च शिक्षा प्राप्त की जा सकती बल्कि रोजगार प्राप्ति के लिए सहायक होते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कहा जाता है कि इंटरनेट दुनिया के सबसे बड़ा पुस्तकालय है यहां सभी पुस्तकें पढ़ने के लिए उपलब्ध हैं। इंटरनेट की एक को ही देखकर हमें भारतीय संदर्भ में आम उपभोक्ताओं के आर्थिक बजट को भी ध्यान में रखकर इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों पर नजर रख बातचीत करने के लिए सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ इंटरनेट उपलब्ध कराना एक विकल्प रखना चाहिए । अन्यथा सीधा–सीधा इंटरनेट कंपनियां भारतीय आम उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ने का काम ही कर रही है। इसके अलावा इंटरनेट से बच्चों तक अवांछित नग्न दृश्य भी इंटरनेट आसानी से उपलब्ध कराकर उनके भविष्य से खिलवाड़ भी कर रहा है। लोग इंटरनेट का दुरुपयोग कर अश्लील साइटों को देखने और सूचनाओं को चुराने में भी सकते इससे साइबर अपराधों में वृद्धि हुई है। भया दोहन की घटनाएं भी बार–बार इंटरनेट के माध्यम से आम उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है। अतः भारतीय उपभोक्ताओं को यह सलाह है कि इंटरनेट का ज्ञान की तरह उपयोग करें ,कूड़ेदान की तरह नहीं। यदि इसका सही उपयोग ज्ञान के सागर में गोता लगाने के लिए किया जाए और ज्ञान उपलब्ध हो सके तो इससे अच्छी कोई बात नहीं हो सकती। बस इसके आर्थिक पक्ष पर भी समुचित नजर रखी जानी चाहिए।

विधानसभा चुनाव परिणाम का Loksabha Elections २०२४ पर कितना असर पड़ेगा?

प्रभासाक्षी के खास कार्यक्रम चाय पर समीक्षा में हमने इस सप्ताह चार राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे पर बात की। हमेशा की तरह इस कार्यक्रम में मौजूद रहे प्रभासाक्षी के संपादक नीरज कुमार दुबे जी। नीरज कुमार दुबे ने इन चुनावी राज्यों के नतीजे पर साफ तौर पर कहा कि अगर यह चुनाव 2024 के पहले का सेमीफाइनल था तो इसे भाजपा ने जीतने में कामयाबी हासिल की है।

राजस्थान

राजस्थान को लेकर नीरज कुमार दुबे ने बताया कि वहां जो हर 5 साल में राज बदलने की स्थिति है, वह इस बार भी बरकरार रही। भाजपा ने शानदार जीत हासिल की। मोदी फैक्टर भाजपा के लिए राजस्थान में बड़ा काम करता हुआ दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अशोक गहलोत साढ़े 4 साल तक तो राज्य में मुख्यमंत्री कौन रहेगा, इसको लेकर आपस में लड़ते रहे। जब चुनाव का समय आया तो जनता के समक्ष लॉलीपॉप रखने की कोशिश की। लेकिन उनकी यह चाल सफल नहीं हो सकी। जनता ने कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति को भी खारिज कर दिया। राजस्थान में कानून व्यवस्था और महिलाओं के खिलाफ जिस तरीके से अपराध बढ़े थे, उससे भी लोगों में नाराजगी थी और वही चुनावी नतीजे में हमें देखने को मिला।

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश को लेकर नीरज कुमार दुबे ने कहा कि जिस तरीके से राज्य में भाजपा ने चुनाव जीता है, उससे साफ तौर पर जाहिर होता है कि भाजपा की ओर से जो चुनाव से पहले प्लान तैयार किया गया था वह पूरी तरीके से सफल हुआ। भाजपा यहां सात सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा। शिवराज सिंह चौहान जैसे मजबूत नेता रहने के बावजूद भी बिना किसी चेहरे के चुनावी मैदान में गई। भाजपा के लिए शिवराज सिंह चौहान की लोकप्रियता भी काम कर गई। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मध्य प्रदेश में अपनी पूरी ताकत लगाई थी। उन्होंने कहा कि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को यह सोचना होगा कि आखिर मध्य प्रदेश में वह इस बार चुनाव जीतने में कामयाब क्यों नहीं हो सके? उन्होंने यह भी कहा कि कमलनाथ

केजीएमयू के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बोलीं, आने वाले समय में शिक्षक के रूप में दिखेंगी बेटियां

लखनऊ। देश–दुनिया मे फैल रहे वायरस और उनके म्यूटेशन से फैल रही रहस्यमयी बीमारी निमोनिया के इलाज के लिए शोध करने की जरूरत है। यह बात रविवार को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के 19वें दीक्षांत समारोह में

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल कही। उन्होंने कहा, मैं अब तक 25 से ज्यादा दीक्षांत समारोह में गई। 80: से ज्यादा कॉन्वोकेशन में ज्यादातर मेडल बेटियां ही ले जाती हैं। ऐसा ही रहा तो 15 साल बाद सभी अध्यापक सिर्फ बेटियां ही दिखाई देंगी। उन्होंने कहा, नैक में ए प्ल्स की रेटिंग से आपको संतोष नही करना चाहिए और] की रेटिंग पाना चाहिए। मेंटल हेल्थ एजुकेशन के दिशा में भी रिसर्च करना चाहिए। इस दौरान चीफ गेस्ट डीएसटी सचिव अभय करंदीकर और पद्मश्री डॉ. महेंद्र भंडारी को मानद उपाधि दी गई। चीफ गेस्ट अभय करंदीकर ने कहा, मेरे परिवार में सभी इंजीनियरिंग और आईआईटी बैकग्राउंड के हैं। पर मेरी बेटी डॉक्टर है। जब मैं आईआईटी कानपुर का निदेशक था तो केजीएमयू के साथ मेडिकल के क्षेत्र में एममओयू हुआ था। देश मे इससे पहले आईआईटी दिल्ली और एम्स दिल्ली के अलावा अन्य किसी मेडिकल और टेक्नोलॉजी संस्थान के बीच ऐसा एएम नहीं हुआ है। नेक्स्ट जनरेशन में जो रिसर्च हो रही है, उसमें इंजीनियरिंग शोध संस्थान और मेडिकल चिकित्सा संस्थान के बीच एमओयू होना बहुत जरूरी हैं। डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इस दिशा में कई बड़े कदम उठा रहा है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था जीवन मे रिस्क लीजिए, यदि आप जीतते हैं तो आप लीड कर सकते हैं और यदि हारते हैं तो आप गाइड कर सकते हैं। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने कहा, यूनिवर्सिटी को नैक ग्रेडिंग में ए की रेटिंग मिली हैं। यूनिवर्सिटी को एनआईआरएफ में 12 रैंक मिली हैं। यूनिवर्सिटी ने एकेडमिक के क्षेत्र में भी बड़े मुकाम हासिल किए हैं। 67 पीजी एनएमसी सीट में इजाफा हुआ हैं। इसके अलावा डक की सीट भी बढ़ी है। दो नए डिपार्टमेंट भी शुरू हो चुके हैं। केजीएमयू के 10 फैकल्टी स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की 2: ग्लोबल टॉप साइंटिस्ट की लिस्ट में हैं। इस साल 23.33 करोड़ की 212 एक्स्ट्रा म्योरल प्रोजेक्ट भी हुए हैं। ओपन एयर लाइब्रेरी स्पेस भी विश्वविद्यालय में बनाया गया है। इस साल 10 लिवर ट्रांसप्लांट और 5 किडनी ट्रांसप्लांट हुए हैं। देश मे पहली बार 1 दिन में बैक टू बैक 2 लिवर ट्रांसप्लांट किए गए हैं, इनमें एक एनाटोमी विभाग को 30 बॉडी डोनेशन के जरिए मिले हैं। अक्टूबर 2023 से पीईटी की शुरुआत हुई तब से 350 से ज्यादा टेस्ट किए जा चुके हैं। 67 फैकल्टी मेंबर को प्रमोशन मिला। हालिया नर्सिंग रिक्रूटमेंट में 1291 पोस्ट के लिए रिटेन एग्जाम में 60 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी 35 सिटी में 134 सेंटर बनाए गए। एक दिन पहले ही रिजल्ट्स जारी कर दिए गए हैं। पूर्व कुलपति केजीएमयू और पूर्व निदेशक एसजीपीजीआई महेंद्र भंडारी ने कहा, मैंने 40 साल केजीएमयू में बिताया है। 19 साल पहले जब यहां था तब केजीएमयू का पहला कॉन्वोकेशन मनाया गया था। तब के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की पहल से ये साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर बना। आईआईएम अहमदाबाद बनाने वाले रवि मथाई ने कहा था या तो आप इंस्टीट्यूट को यूज कर सकते हैं या फिर आप बना सकते हैं। मानद उपाधि के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद। कॉन्वोकेशन में कुल 1869 स्टूडेंट्स को डिग्री दी गई। उपाधि पाने वालों में 954 छात्राएं और 913 छात्र हैं। वही 39 मेधावियों को मेडल और अवार्ड्स से नवाजा जाएगा। इन मेधावियों में 66: बेटियां हैं यानी 26 बेटियों की झोली में गोल्ड समेत दूसरे मेडल और अवार्ड आए हैं। जबकि 13 मेडल छात्रों को दिए गए। टॉप पांच में चार बेटियां हैं।

मथुरा में लगेंगे आरनामेंटल पोल, होगी फसाड लाइटिंग और डिवाइडर मरम्मत –जयवीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के तहत प्रदेश की सभी विधान सभाओं में पर्यटन स्थल विकसित किए जा रहे हैं। इसके तहत मथुरा में तीसरी योजना स्वीकृत हुई है। करीब चार करोड़ रुपये से नगर में आरनामेंटल पोल, फसाड लाइटिंग और डिवाइडर मरम्मत कराई जाएगी। इसके पहले मथुरा में बांके बिहारी मंदिर और डेम्पियर नगर स्थित म्यूजियम की फसाड लाइटिंग के लिए लगभग 2. 22 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे। इसके अलावा मथुरा में 4.59 करोड़ रुपये विभिन्न सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था के लिए स्वीकृत हुए थे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश में पर्यटन के दृष्टिकोण से मथुरा–वृंदावन का महत्वपूर्ण स्थान हैं। यहां देश–विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इस लिहाज से लगातार पर्यटक सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री पर्यटन सहभागिता योजना के तहत मथुरा में लगभग चार करोड़ रुपये से छठीकरा तिराहे से मल्टीलेबिल तक डिवाइडर की मरम्मत, आरनामेंटल पोलों के प्रकाश व्यवस्था और सड़क किनारे फसाड लाइटिंग के कार्य कराए जाएंगे। 50 प्रतिशत राशि राज्य सरकार और 50 प्रतिशत धनराशि मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण मथुरा देगा। जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के तहत जनप्रतिनिधि, सक्षम व्यक्ति, संस्था व संगठन भी प्रस्तावक हो सकते हैं। प्रस्ताव पर खर्च होने वाली राशि का 50 प्रतिशत सरकार और 50 प्रतिशत व्यक्ति या संस्था देगी। जनप्रतिनिधियों की ओर से भी जो प्रस्ताव आएंगे, उसमें भी सरकार 50 प्रतिशत राशि देगी और 50 प्रतिशत जनप्रतिनिधि को देने होंगे। योजना के तहत प्रत्येक विधानसभा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण स्थल का चयन या अल्पज्ञात पर्यटक स्थलों को चिन्हित कर उसे उच्चस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। राज्य सरकार का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोग भ्रमण के लिए निकलें। ऐसा तब होगा जब लोगों के नजदीक पर्यटन के विकल्प उपलब्ध होंगे। इसी उद्देश्य से सभी विधानसभाओं में पर्यटन स्थल विकसित करने की तैयारी है। देशी–विदेशी पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। इससे प्रदेश में आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ने के साथ ही लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।

बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं से मायावती बोलीं, लोकसभा चुनाव के लिए करें दोगुनी मेहनत

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) अध्यक्ष मायावती ने गरीबों, पिछड़ों और वंचित समाज को 'वोट हमारा, राज तुम्हारा की शोषणकारी व्यवस्था से मुक्ति दिलाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी लोकसभा चुनाव में दोगुनी मेहनत कर पार्टी का जनाधार बढ़ाने का आह्वान किया है। मायावती ने रविवार को लखनऊ में पार्टी की अखिल भारतीय बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ पदाधिकारियों को आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी के बारे में विस्तृत दिशानिर्देश दिये। बसपा अध्यक्ष ने कहा, ''आंबेडकरवादी पार्टी के रूप में बसपा का प्रयास बहुजन समाज के विभिन्न अंगों को आपसी भाईचारे के आधार पर जोड़कर उनकी राजनीतिक शक्ति बाबा साहब डॉक्टर आंबेडकर की सोच के मुताबिक विकसित करने की है ताकि सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके सभी गरीब व बहुजन समाज के लोग अपना उद्धार स्वयं करने योग्य बन जायें। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जन व देशहित की नीति और सिद्धान्त के बजाय विरोधी पार्टियों की धनबल, लुभावने वादों व छलावेपूर्ण दावों के सहारे राजनीतिक व चुनावी स्वार्थ का ठीक से सामना करने के लिए 'दोहरी मेहनत से संगठन की मजबूती व जनाधार को बढ़ाएं ताकि 'वोट हमारा, राज तुम्हारा की लगातार चली आ रही शोषणकारी व्यवस्था से सर्वसमाज के गरीबों एवं अन्य मेहनतकश बहुजनों को इससे जल्द मुक्ति मिल सके। मायावती ने कहा कि देश के चार राज्यों में अभी हाल में सम्पन्न विधानसभा चुनाव में बहुकोणीय संघर्ष होता दिखने के बावजूद परिणाम बिल्कुल एकतरफा हो जाना एक ऐसा मुद्दा है जो चर्चा का विषय है। सवाल यह है कि क्या लोकसभा का अगला चुनाव भी इसी प्रकार के छद्म नारों और चुनावी छलावों के आधार पर लड़ा जाएगा और गरीबी, महंगाई व बेरोजगारी आदि ज्वलन्त समस्याओं से त्रस्त जनता बेबस सब कुछ देखती रहेगी या फिर उसका कोई लोकतांत्रिक समाधान भी निकलेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार से चुनावी चर्चा व मीडिया की सुर्खियों में बने रहने का विरोधी पार्टियों का प्रयास देश में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए उचित नहीं है। इसी का नतीजा है कि सरकार विरोधी लहर के बावजूद चुनाव परिणाम लोगों की अपेक्षा के मुताबिक नहीं होते हैं।

यूपी फोरेंसिक संस्थान विकसित करेगा मोबाइल ऐप, आपराधिक मामलों की जांच में करेगी पुलिस की मदद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विधि विज्ञान संस्थान राज्य के पुलिस अधिकारियों को विभिन्न मामलों की जांच में मदद के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित करेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह मोबाइल एप्लिकेशन जांच अधिकारियों (आईओ) की मदद करेगा। खासकर जांच के शुरुआती चरण में जब अपराध स्थल के संरक्षण और सुबूतों को छेड़छाड़ से बचाने की सबसे ज्यादा जरूरत होती है।यूपीएसआईएफएस के निदेशक का जिम्मा संभाल रहे अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) जी. के. गोस्वामी ने बताया, ''विकसित किये जा रहे मोबाइल एप्लिकेशन में विभिन्न मामलों की जांच में आईओ की सहायता के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस होगा। किसी विशेष अपराध में मार्गदर्शन के लिए उन्हें ऐप के जरिए आवश्यक कदम सुझाये जाएंगे। इस एप्लिकेशन के माध्यम से एकत्र की गई जानकारी को संग्रहीत किया जाएगा और यहां तक कि उसे इंटर–ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) के साथ भी जोड़ा जाएगा। आईसीजेएस देश में आपराधिक मामलों में न्याय दिलाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मुख्य सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली को पांच स्तंभों यानी पुलिस (अपराध और आपराधिक निगरानी एवं नेटवर्क प्रणाली), फॉरेंसिक लैब, अदालतें, सार्वजनिक अभियोजक और जेलों के एकीकरण को सक्षम करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच है। आईसीजेएस पर अपलोड होने के बाद अपराध स्थल से एकत्र किए गए डेटा के साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है और वरिष्ठ अधिकारी उस तक पहुंचकर निगरानी कर सकते हैं। ये ऐप आपराधिक गतिविधियों के वैज्ञानिक फॉरेंसिक विश्लेषण को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया जा रहा है, लेकिन ये संस्थान वृहद लक्ष्य का केवल एक हिस्सा है। यूपीएसआईएफएस एक अनोखा संस्थान है जो युवाओं को फॉरेंसिक विज्ञान से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। हमारा प्राथमिक उद्देश्य भविष्य के फॉरेंसिक विशेषज्ञों को कुशल बनाना और तैयार करना है।यूपीएसआईएफएस गांधीनगर गुजरात में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) से संबद्ध है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना एक दशक पहले की गई थी जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। यूपीएसआईएफएस का अभी औपचारिक रूप से उद्घाटन नहीं हुआ है लेकिन संस्थान ने इस वर्ष लखनऊ के सरोजिनी नगर क्षेत्र स्थित अपने विशाल परिसर में शैक्षणिक पाठ्यक्रम शुरू कर दिया है। वर्तमान में 118 छात्र विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के तहत संस्थान में पढ़ रहे हैं। संस्थान के परिसर को तीन खंडों में विभाजित किया गया है। इनमें पांच एकड़ के परिसर में एक समर्पित डीएनए प्रयोगशाला और तीन एकड़ क्षेत्र में की फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला बनाई गई है। इसके अलावा 500 छात्रों के लिए छात्रावास की भी व्यवस्था की गयी है। संस्थान का लक्ष्य अगले शैक्षणिक वर्ष में 400 छात्रों को दाखिला देने का है। वर्तमान में हम फॉरेंसिक दस्तावेज परीक्षा, साइबर सुरक्षा, डीएनए फॉरेंसिक और फॉरेंसिक बैलिस्टिक और विस्फोटक में पीजी डिप्लोमा के साथ फॉरेंसिक बीएससी ध एमएससी फॉरेंसिक साइंस से संबंधित पांच पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं।

400 के पार पहुंची डेंगू के मरीजों की संख्या

बांदा। डेंगू के मरीजों की संख्या 400 के पार पहुंच गई है। जिला अस्पताल की पैथोलॉजी जांच में दो और मरीज मिलने से अब तक डेंगू से मिलने वाले मरीजों की संख्या 401 हो गई है। जिला अस्पताल की पैथोलॉजी में 10 मरीजों की डेंगू जांच की गई। इसमें दो को पुष्टि की गई है। डॉक्टरों का कहना है कि जब तक डेंगू लार्वा खत्म नहीं हो जाएंगे तब तक डेंगू बुखार के मरीजों का मिलना शुरू रहेगा। उधर, स्वास्थ्य विभाग भी लगातार उन मोहल्लों में डेंगू लार्वा की जांच कर रहा है जिन मोहल्लों में इस बीमारी के मरीज मिल रहे हैं। जिला अस्पताल की पैथोलॉजी जांच में रविवार को शहर के मोहल्ला कैलाश पुरी निवासी रजनी सिंह (30), अतर्रा चुंगी चौकी निवासी मोहित अवस्थी (30) को डेंगू की पुष्टि की गई। दो ही मरीज ओपीडी में आए थे। इनकी जांच के बाद पुष्टि की गई है। सीएमओ डॉ. एके श्रीवास्तव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम ऐसे मोहल्लों में जाकर डेंगू लार्वा की जांच कर रही है,जलभराव वाले स्थानों पर डेंगू लार्वा निरोधक दवा का छिड़काव किया जा रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी पूजा अहिरवार ने बताया कि घरों के अंदर रखी खुली साफ पानी की टंकियों, कूलर की पानी से भरी टंकी में डेंगू का मच्छर पनपता है। छत में रखी पानी की टंकियों को ढककर रखने से लार्वा होने के चांस लगभग खत्म हो जाते हैं। अब इस मौसम में कूलर का कोई उपयोग नहीं रह जाता है। इसमें घर के लोगों को चाहिए कि वह कूलर में पानी की टंकी खाली करके रखें। जिससे लार्वा पनपने की संभावना न रहे।

काशी विश्वनाथ में 12.92-करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई हाजिरी,

दो वर्ष में काशी पुराधिपति के दरबार में रिकॉर्ड 16 हजार विदेशी श्रद्धालुओं ने किया दर्शन

वाराणसी। बाबा विश्वनाथ धाम में 2 वर्षों में 12.92 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने हाजिरी लगाकर सुखी–स्वस्थ होने की कामना की। पीएम नरेंद्र मोदी ने 13 दिसंबर 2021 को श्री काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण किया था। इन दो वर्ष में विदेशी भक्तों की भी काफी संख्या रही। दो वर्ष में लगभग 16 हजार विदेशी श्रद्धालुओं ने काशी पुराधिपति के दर पर शीश झुकाए। काशी के चौतरफा विकास, श्री काशी विश्नाथ धाम का विस्तार, वहां मिलने वाली सुविधा और सुगमता के चलते बाबा के भक्तों ने महादेव के दरबार में हाजिरी का कीर्तिमान बना दिया है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण को 13 दिसंबर 2023 को दो वर्ष पूरे हो जाएंगे। बाबा का धाम हर वर्ष भक्तों के आमद का नया कीर्तिमान बना रहा है। प्रतिदिन बाबा के दरबार में लाखों भक्त दर्शन करने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद बाबा के दरबार में सौ बार से अधिक हाजिरी लगा चुके हैं। मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण 13 दिसंबर 2021 को हुआ था। तब से 6 दिसंबर 2023 तक 12 करोड़ 92 लाख 24 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया है। वहीं दिसंबर अंत तक यह संख्या 13 करोड़

पार करने का अनुमान है। नव्य व दिव्य श्री काशी विश्वनाथ मंदिर भव्य स्वरूप लेने के बाद भारतीय व विदेशी भक्तों की संख्या नए रिकॉर्ड कायम कर रही है। सुनील वर्मा ने बताया कि धाम के लोकार्पण (13 दिसंबर 2021) से छह दिसंबर 2023 तक 15,930 से अधिक विदेशी भक्तों ने विश्वनाथ मंदिर के सुगम दर्शन के लिए बुकिंग कराई थी। उन्होंने बताया कि पिछले साल (2022) की तुलना में इस साल इनकी बुकिंग लगभग दोगुने से अधिक है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा के मुताबिक मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर कुशल प्रबंधन किया जा रहा है। गर्मी, ठंड और बरसात में तेज धूप से बचाने के लिए जर्मन हैंगर, पैर न जले इसके लिए मैट, कूलर, पीने का शुद्ध पानी, श्रावण मास में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क व्हील चेयर, सभी के लिए चिकित्सा आदि की व्यवस्था ने शिव भक्तों की मंदिर तक पहुंचने की राह आसान कर दी है।

लखनऊ में आयोजित हो रहा है 68वां वार्षिक आईओए कॉन्फ्रेंस 2023,

विश्व–प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ उपस्थित होंगे एक मंच पर

लखनऊ। इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन का 68वां वार्षिक सम्मेलन आईओए कॉन्फ्रेंस 2023 14 से 17 दिसंबर, 2023 तक राजधानी लखनऊ में एकाना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगा। इस मेगा इवेंट में ऑर्थोपेडिक्स के क्षेत्र के वैश्विक विशेषज्ञ एक साथ एक मंच पर आयेंगे, जो अपनी विशेषज्ञता साझा करेंगे और नए मेडिकल तकनीकों पर विचार विमर्श करेंगे। आईओए कॉन्फ्रेंस 2023 का विषय, नेविगेटिंग इनटू द फ्यूचर भारत और दुनिया भर में आर्थोपेडिक स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने के लिए आईओए की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वैज्ञानिक कार्यक्रम में भारत और विदेश के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा विभिन्न प्रकार की संगोष्ठियाँ, केस स्टडीज और निर्देशात्मक व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत 13 दिसंबर को कई प्री–कॉन्फ्रेंस कार्यशालाओं के आयोजन से होगी। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य ज्ञानवर्धन और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। डॉ. ललित मैनी के नेतृत्व में 3डी प्रिंटिंग एवं ऑगमेंटेड रियलिटी वर्कशॉप का आयोजन डॉ. सैफ शाह द्वारा किया जाएगा। डॉ. राजेश मल्होत्रा आर्थ्रोप्लास्टी हिप सेशन का नेतृत्व करेंगे और डॉ. सौरव शुक्ला संयोजक होंगे। डॉ. सचिन तपस्वी की अध्यक्षता में आयोजित आर्थ्रोस्कोपी नी वर्कशॉप का संचालन डॉ. आशीष कुमार द्वारा किया जाएगा। डॉ. अजय सिंह पीडियाट्रिक आर्थोपेडिक्स वर्कशॉप का नेतृत्व करेंगे, जबकि डॉ. रमेश सेन पेलवी–एसिटाबुलर (कैडेवेरिक) सेशन की अध्यक्षता करेंगे, डॉ. धर्मेंद्र कुमार इस सत्र संयोजक होंगे। डॉ. अनुप अग्रवाल के मार्गदर्शन में एओ बेसिक कोर्स के संयोजक डॉ. मयंक महेंद्र होंगे। डॉ. एस.के.एस. मार्या आर्थ्रोप्लास्टी नी वर्कशॉप के प्रमुख होंगे और डॉ. संदीप कपूर संयोजक के रूप में काम करेंगे। डॉ. संजय रस्तोगी नी ऑस्टियोटॉमी एंड प्रिजर्वेशन वर्कशॉप की अध्यक्षता करेंगे और डॉ. संतोष सिंह संयोजक होंगे।इसके अतिरिक्त, डॉ. एस. राजशेखरन के नेतृत्व में स्पाइन (कैडेवेरिक) वर्कशॉप के संयोजक डॉ. शाह वलीउल्लाह होंगे। जबकि ट्रॉमा प्रॉक्सिमल फीमर वर्कशॉप की अध्यक्षता डॉ. धवल देसाई करेंगे और डॉ. पी. शमशेरी संयोजक के रूप में उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट व्याख्यानों की श्रृंखला में प्रतिष्ठित वक्ता व्याख्यान देंगे। डॉ. रमेश सेन, मशहूर पेलवी एसिटाबुलर सर्जन, डॉ. एमजी किनी मेमोरियल व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन स्वर्ण जयंती व्याख्यान के दौरान अंतर्दृष्टि साझा करेंगे। एसआईसीओटी यूके के निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. विकास खंडूजा बालू शंकरन व्याख्यान देंगे, जबकि डॉ. विक्रम सिंह, आईपीएस पूर्व डीजीपी, यूपी, डायमंड जुबली भाषण प्रस्तुत करेंगे। इसके अतिरिक्त, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, के डॉ. विशाल कुमार रजत जयंती व्याख्यान

देंगे और टाटा मेमोरियल सेंटर, पंजाब, भारत के निदेशक डॉ. आशीष गुलिया, सैबल शेखर व्याख्यान के साथ कार्यक्रम में योगदान देंगे।प्रख्यात चिकित्सा विशेषज्ञ अपने ज्ञानवर्धक व्याख्यानों से इस कॉन्क्लेव की शोभा बढ़ाएंगे। इन प्रतिष्ठित नामों में मुंबई में स्पोर्ट्स मेडिसिन के निदेशक डॉ. अनंत जोशी, डॉ. बी मुखोपाध्याय व्याख्यान और एएओएस यूएसए के अध्यक्ष डॉ. केविन बोजिक, डॉ. एके तलवलकर व्याख्यान , सिकंदराबाद में सनशाइन हाई अस्पताल के निदेशक डॉ. एम. वी. रेड्डी, डॉ. एम. नटराजन व्याख्यान देंगे। भारत में पायनियर हिप प्रिजर्वेशन सर्जन, डॉ. एन.के. मगु, डॉ. पीएस मैनी अपने व्याख्यान के दौरान अपना विशिष्ट ज्ञान और अनुभव साझा करेंगे। अन्य उल्लेखनीय वक्ताओं में बीओए, यूके के पूर्व अध्यक्ष डॉ. डेबोराह ईस्टवुडय डॉ. मनदीप ढिल्लों, एओ ट्रॉमा एशिया पैसिफिक, इंडिया के अध्यक्षय सेंट विंसेंट स्पेशलिस्ट सेंटर, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया से डॉ. रॉस क्रॉफर्डय डॉ. एस. के. एस. मार्या, जेओए, इंडिया के पूर्व अध्यक्ष शामिल है। आर्थोपेडिक्स के क्षेत्र के प्रसिद्ध विशेषज्ञ इस कॉन्क्लेव में मुख्य व्याख्यान देंगे, जिनमें एपीएचएलयूएस कोरिया के अध्यक्ष डॉ. इन्हो जियोन, ऑस्ट्रेलिया के सीडी एओ ट्रॉमा एशिया पैसिफिक के अध्यक्ष डॉ. मारिनिस पिरपिरिस के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे। एपीएसए इंडिया के अध्यक्ष डॉ. सचिन तपस्वी, सेंट्रल जोन आईओए इंडिया के निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. संजय धवन और सीएमसी वेल्लोर इंडिया से डॉ. वृषा माधुरी भी अपने ज्ञानवर्धक अनुभव साझा करेंगी।डॉ संजीव अवस्थी – ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन ने बताया, ,हम लखनऊ में इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के 68वें वार्षिक सम्मेलन आईओए कॉन्फ्रेंस 2023 की मेजबानी करके सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह मेगा इवेंट विश्व भर के नामी गिरामी ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञों को अपनी विशेषज्ञता साझा करने और चिकित्सा प्रौद्योगिकी में प्रगति पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर साथ लाएगा। डॉ. शुभ मेहरोत्रा – ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन ने सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा, सम्मेलन का विषय, नेविगेटिंग इनटू द फ्यूचर, भारत और दुनिया भर में आर्थोपेडिक स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने के लिए आईओए की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस आयोजन के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में प्रसिद्ध वक्ताओं द्वारा विभिन्न संगोष्ठियों में केस स्टडीज और इंस्ट्रक्शनल लेक्चर प्रस्तुत किए जाएंगे। आईओए कॉन्फ्रेंस 2023 एक ऐतिहासिक कार्यक्रम बनने जा रहा है, जो आर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में अग्रणी और विशेषज्ञों को ज्ञान साझा करने, प्रगति पर चर्चा करने और वैश्विक स्तर पर कनेक्शन स्थापित करने के लिए एक साथ लाएगा। इस सम्मेलन के दौरान आयोजित कार्यक्रम और अनौपचारिक सत्र सम्मेलन की सहयोगात्मक भावना को और बढ़ाएंगे।

डॉ. अनूप अग्रवाल साइंटिफिक सेक्रेटरी, ने जानकारी दी, मुख्य वक्ताओं और भाषण व्याख्यान के अलावा, सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत कई नामांकित और विशेष व्याख्यान शामिल होंगे। ये व्याख्यान आर्थोपेडिक्स के विशिष्ट क्षेत्रों में गहराई से जानकारी प्रदान करेंगे।डॉ.सुरेश चंद, वर्कशॉप सेक्रेटरी ने कहा, ष्आईओए कॉन्फ्रेंस 2023 के दौरान आयोजित वाले वर्कशॉप आर्थोपेडिक्स में नवीनतम प्रगति पर प्रकाश डालेंगे, व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे, जिन्हें प्रतिभागी अपने प्रैक्टिस में लागू कर सकते हैं। मैं सभी उपस्थित लोगों के लिए एक समृद्ध और इंटरैक्टिव अनुभव को लेकर बेहद आशान्वित हूँ। आईओए कॉन्फ्रेंस 2023 आर्थोपेडिक पेशेवरों को विश्व स्तर पर नेटवर्क बनाने और सामाजिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन के सामाजिक कार्यक्रमों और अनौपचारिक चर्चाओं का उद्देश्य प्रतिभागियों के बीच सौहार्द को बढ़ावा देना, विचारों का आदान–प्रदान करना और सहयोग को बढ़ावा देना है।

परिवहन मंत्री ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला,

बोले खिलाड़ियों को विश्व पटल पर स्थान दिलाने का प्रयास कर रही सरकार

बस्ती। बस्ती में सरकार खेल और खिलाड़ियों को विश्व पटल पर स्थान दिलाने के लिए प्रयास कर रही है। सांसद खेल महाकुंभ ऐसा अवसर है, जिसमें सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को अवसर मिलता है। ऐसे आयोजनों से देश को विश्व स्तरीय खिलाड़ी प्राप्त होंगे। यह बातें सूबे के परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने कहीं। दयाशंकर सिंह बनकटी विकास खंड के संविलियन पूर्व माध्यमिक विद्यालय अहरा में 8 दिवसीय सांसद खेल महाकुंभ के समापन अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर संयोजक ई. अरविन्द पाल और प्रभारी जगदीश शुक्ल के साथ ही बड़ी संख्या में उपस्थित खिलाड़ियों ने मंत्री दयाशंकर सिंह का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। बनकटी के नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ई. अरविन्द पाल ने मंत्री दयाशंकर सिंह को विस्तार के साथ 8 दिनों के प्रतियोगिताओं और विजेताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि सांसद हरीश द्विवेदी की पहल से खेल गांवों तक पहुंचा यह सराहनीय पहल है। परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने वालीबॉल, दौड़, कबड्डी, खो–खो, क्रिकेट के सफल खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल देकर पुरस्कृत किया। खिलाड़ी वंदना यादव, लक्ष्मी यादव, खुशबू, मुस्कान, विनय यादव, अमित, हरिश्चन्द्र चौहान, सोनू, महेश, विकास यादव, अंजली, सलोनी विश्वकर्मा, देवनाथ विश्वकर्मा, नन्दनी आदि को जब ट्राफी, मेडल देकर पुरस्कृत किया तो उनके चेहरों पर मुस्कान थी।खेल प्रतियोगिताओं के समापन अवसर पर पवन कसौधन, अभय सिंह यादव, रघुनाथ सिंह, सुरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, सत्यनारायण जायसवाल, विवेकानन्द शुक्ल, रविचंद पांडेय, ब्रम्हानन्द शुक्ल, मोहम्मद इकबाल, अरूण कुमार यादव, रमेश अग्रहरि, डॉ अनिल मौर्य, संजय चौधरी, अंकित पांडेय, उमेश अग्रहरि, राम अछैवर चौधरी, दुर्गेश राव, शांती यादव, धर्मेन्द्र उपाध्याय, अशोक मौर्य, खुर्शीद अहमद, आशुतोष पाण्डेय, चन्द्रशेखर, ध्रुव नारायण दूबे, महेन्द्र सिंह, हरीराम मिश्र, परमात्मा यादव, राजेंद्र यादव, धर्मेन्द्र कुमार, सुभाष यादव, शशांकमणि, मुकेश कुमार, हरेन्द्र कुमार मौर्य, हृदय विकास पाण्डेय, अभिमन्यु पाल, कौशल चौधरी, बाबूराम चौधरी, वृजेश यादव, साधूशरण आर्य आदि मौजूद रहे।

5 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन,न्यायमूर्ति ने फीता काटकर किया शुभारम्भ

बहराइच। जिला कारागार में निरूद्ध बन्दियों की जांच हेतु आयोजित होने वाले 5 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति राजीव सिंह ने फीता काटकर किया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एसके सिंह ने बताया कि जिला कारागार में आयोजित होने वाले 5 दिवसीय चिकित्सा शिविर में प्रतिदिन 200 बंदियों की स्क्रीनिंग कर गंभीर बीमारियों जैसे सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज (एसटीडी), ह्युमन इम्यूनो डिफिशिएंसी वायरस (एचआईवी), टीबी (क्षय रोग) व हेपेटाइटिस के मरीजों को चिह्नित कर इलाज शुरू करा

पुलिस ने लुटेरों के गिरोह का किया खुलासा,6 सदस्य गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के चार लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन लोगों के कब्जे से भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया है। इस दौरान इनके कब्जे से सोने और चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। अभी 2 दिन पहले ही इनके दो साथी पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार हुए थे ।

थाना सैक्टर 39 पुलिस ने थाना क्षेत्र के दादरी रोड शौचालय के यूटर्न के पास से गोपनीय सूचना के आधार पर 4 चोरों को गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस ने दिल्ली निवासी, प्रशांत व शाहजहांपुर निवासी दानवीर व कल्लू को गिरफ्तार किया। इन लोगों के कब्जे से चोरी के सोने–चांदी के जेवरात व अन्य सामान बरामद किया।थाना सेक्टर 39 प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार चारों लुटेरे एक बड़े ही शातिर गिरोह के सदस्य हैं। इनके दो साथी 8 दिसंबर को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार हुए थे। इस दौरान पुलिस ने आमिर व ताहिर को गिरफ्तार किया था। गिरोह के दो सदस्य शाहजहांपुर उत्तरप्रदेश के निवासी है और दोनों पर शाहजहांपुर में डकैती, लूट, चोरी और अन्य मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा गिरोह के 4 सदस्य दिल्ली के निवासी है। गिरोह के सभी सदस्य असलहे रखते हैं और ऑटो से घटना को अंजाम देने के लिये रात व दिन में बन्द ताला लगे मकानो में रैकी कर डकैती और चोरी की घटनाओं को अंजाम देते है। इन लोगों के द्वारा दिल्ली एनसीआर, गाजियाबाद , शाहजहांपुर आदि स्थानो पर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। इनके विरुद्ध दो दर्जन से अधिक मुकदमे भिन्न–भिन्न जनपद के थानो में दर्ज है। इन बदमाशो के विरूद्ध गैंगस्टर की कार्रवाई अमल में लायी जाएगी। इन लोगों के कब्जे से सोने चांदी के आभूषण व उसके अलावा अन्य कीमती सामान भी बरामद किया गया है। जो कि इन्होंने कई घरों से चोरी किया था।

डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक घायल

आगरा। आगरा–ग्वालियर रोड स्थित रोहता नहर चौराहे पर तेज रफ्तार एक डंपर ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। जिसके चलते बाइक सवार को गंभीर चोट आई हैं। मोटरसाइकिल पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। स्थानीय लोगों ने उसे डंपर के नीचे से तुरंत खींच लिया। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना ताजगंज क्षेत्र के गांव लोधई निवासी दीपू पुत्र कैलाशी उम्र करीब 35 वर्ष मजदूरी का कार्य करने अपने घर से पश्चिम पुरी जा रहा था। वह जैसे ही रोहता नहर चौराहे पर पहुंचा तो तेज गति अनियंत्रित डंपर ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें उसकी मोटरसाइकिल पूरी तरह टूट गई। युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि वहां मौजूद लोगों ने आवाज सुनकर उसे ट्रक के नीचे से खींच लिया। अन्यथा कोई भी अनहोनी हो सकती थी। घटना पर पहुंची थाना सदर पुलिस ने डंपर को अपने कब्जे में लेकर व चालक के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है।

ई-रिक्शा से बैट्रिया उड़ाने वाले बैखोफ चोरो पर नही दर्ज किया मुकदमा

लखनऊ। मोहनलालगंज कस्बे से सात दिन पहले बैखोफ चोरो ने पुलिस पिकेट से 70मीटर दूरी पर स्थित अधिवक्ता के घर के बाहर खड़े ई रिक्शा को जंजीरो व ताले काटकर चोरी कर एक सुनसान प्लाटिंग में ले जाकर बैट्रियों समेत अन्य सामान चोरी कर ई–रिक्शा को लावारिस छोड़कर फरार हो गये थे।अधिवक्ता के पीड़ित बेटे ने पुलिस से लिखित शिकायत कर अज्ञात चोरो पर कार्यवाही की मांग की थी लेकिन लापरवाह बनी मोहनलालगंज पुलिस ने घटना के एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी अज्ञात चोरो पर मुकदमा नही दर्ज किया।जिसको लेकर कस्बे के लोगो में आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित ई रिक्शा मालिक ने पूरे मामले की डीसीपी समेत उच्चाधिकारियों से शिकायत की बात कही है।ज्ञात हो मोहनलालगंज कस्बे में स्थित सिविल लाइन मोहल्ले में वरिष्ठ अधिवक्ता काली शंकर चौरसिया अपने परिवार के साथ रहते है,बीते सोमवार की देर रात बैखोफ चोर जंजीरो व ताले से बंधकर घर के दरवाजे पर खड़े उनके बेटे अमित चौरसिया का ई–रिक्शा बैखोफ चोर उड़ा ले गये थे ओर फुलवरिया मोड़ के पास स्थित एक प्लाटिंग में ले जाकर उसमें लगी पांच बैट्रिया व अन्य सामान चोरी कर ई रिक्शा को लावारिस छोड़कर फरार हो गये थे।घटना के दूसरे दिन मगंलवार की सुबह सोकर उठे अधिवक्ता के बेटे ने जंजीरे वा ताले टूटे देख व ई रिक्शा गायब देखा तो चंद कदम पर स्थित पुलिस पिकेट में मौजूद पुलिसकर्मियों को सूचना दी।जिसके बाद चोरी हुये ई रिक्शा की तलाश शुरू हुयी तो प्लाटिंग में लावारिस मिला ओर उसमें लगी बैट्रिया व अन्य सामान गायब था।जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस से पूरे मामले की लिखित शिकायत कर अज्ञात चोरो पर मुकदमा दर्ज कार्यवाही की मांग की।हालाकि घटना के छरूदिन बीत जाने के बाद भी अज्ञात चोरो पर मुकदमा दर्ज कर तलाशने की बजाय पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया।जिसको लेकर कस्बे के लोगो में आक्रोश व्याप्त है।

छरूमाह पहले भी दो ई–रिक्शा चोरी कर उड़ाई थी बैट्रिया....

मोहनलालगंज कस्बे में सक्रिय चोरो के हौसले बुलंद है,वो बैखोफ होकर चोरी की वारदातो को अजांम दे रहे लेकिन लापरवाह बनी पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरी की घटनाओ को ठंडे बस्ते में डाल दे रही है,जिसके चलते बैखोफ चोर दोबारा वारदातो को अजांम दे रहे है,ज्ञात हो 6जून को बैखोफ चोरो ने पुलिस पिकेट से चंद कदम पर स्थित सर्वेश कुमार व गौतम कुमार के घर के बाहर खड़े ई–रिक्शे चोरी कर बैट्रियो समेत जरूरी सामान चोरी कर फुलवरिया मोड़ की प्लाटिंग में दोनो ई रिक्शो को लावारिस खड़ा कर फरार हो गये थे,दोनो ही चोरी की घटनाओ में पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज किया था लेकिन चोरी की घटनाओ के खुलासे में नाकाम रही थी।कस्बे से बैखोफ चोर अब तक कई बाइके भी चोरी कर चुके है।

हाईवे पर लगा रहा 3 घंटे जाम,लखनऊ-गोंडा रोड पर 36 से अधिक मैरिज लॉन

बहराइच। शहर में बने मैरिज लॉन में पार्किंग व्यवस्था बेहतर न होने के कारण सहालग में लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। शनिवार की देर रात तीन घंटा हाईवे जाम रहा। चारों ओर से वाहन बेतरतीब घुसे रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस काफी मशक्कत के बाद जाम को हटवा सकी। जिसके बाद आवागमन शुरू हो सका। लखनऊ, गोंडा व नानपारा रोड समेत मामले मोहल्लों की सकरी गलियों में 36 से अधिक मैरिज लॉन संचालित हैं। सहालग के चलते सभी लॉन की बुकिंग हो जाती है। ऐसे में वैवाहिक कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोग अपने वाहनों को सड़क पर ही खड़ा कर देते हैं। जिससे घंटों जाम की समस्या बनी रहती है। सबसे ज्यादा वाहनों का आना–जाना रहता है। ऐसी में स्थित में इस मार्ग पर आए दिन जाम की समस्या बनी रहती है। सहालग के दौरान तो हालात बदतर हो जाते हैं। यही हालात एक बार फिर से शनिवार की देर लोगों को सामना करना पड़ा। बहराइच –लखनऊ हाईवे पर रात 9 बजे से 12 बजे तक जाम लगा रहा। जाम को छुड़ाने के लिए पहुंची पुलिस को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। उसके बाद जाम से छुटकारा मिल सका। सिटी मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर ने बताया कि शहर के सभी मैरिज लॉन संचालकों को पार्किंग की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए गए हैं। यदि कहीं नियमों की अनदेखी की जा रही। है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम चौपाल: गांव की समस्या-गांव में समाधान की मनाई जाएगी वर्षगांठ

जन–जन को ग्राम्य विकास योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सरकार संकल्पित : केशव

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन मे हर विकास खण्ड की 2 ग्राम पंचायतों में आयोजित की जा रही ग्राम चौपालों के बहुत ही उत्साहजनक परिणाम निखर कर आये हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्राम्य विकास की योजनाओं का लाभ जन–जन को दिलाने के लिए सरकार संकल्पबद्धता व पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। श्री मौर्य ने बताया कि ग्राम चौपालों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में शिकायतों के निवारण हेतु सरकार का जनहित में बहुत सफल प्रयास रहा है। इस कार्यकम में ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति विश्वास की भावना पैदा हुई है। उनकी स्थानीय स्तर की शिकायतें स्थानीय स्तर पर ही सुलझाने में मदद मिली है। कार्यकम की लोकप्रियता का प्रभाव है कि बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कार्यकम का लाभ लिया है। अब तक 03 लाख से अधिक शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। चौपालों के सफल कियान्वयन का 01 वर्ष, दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में पूर्ण हो हो रहा है।उप मुख्यमंत्री न3 कार्यकम की लोकप्रियता और उपयोगिता को देखते हुए चौपालों की पहली वर्षगांठ को भव्यता पूर्ण ढंग से मनाये जाने के निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों व जिलाधिकारियों को दिए हैं। वर्षगांठ तहत 28 से 30 दिसम्बर तक गांव–गरीब के विकास से रिलेटेड तीन दिवसीय कार्यकम आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि 28 दिसम्बर 23 को ग्राम पंचायत ब्लाक, तहसील, जनपद स्तर पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। 29 दिसम्बर को को विशेष चौपाल का आयोजन किया जायेगा। 30 दिसम्बर को हर जनपद में जनप्रतिनिधियों द्वारा पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री जी द्वारा लखनऊ में प्रेस वार्ता की जायेगी। जनपद व मुख्यालय पर एक मेले का आयोजन किया जायेगा, जिसमें स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को स्टाल लगाकर प्रदर्शित किया जायेगा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होने वाली संगोष्ठी में प्रधानमंत्री ,मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण,मनरेगा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना,राज्य ग्रामीणआजीविका मिशन द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिन्दुओं ,अमृत सरोवर के निर्माण के पश्चात उसके रख–रखाव तथा अन्य व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में चर्चा होगी।इसके अलावा प्रशंसनीय कार्य करने वाले खण्ड विकास अधिकारी, सहायक,ग्राम विकास अधिकारी तथा क्षेत्र प्रमुख ,ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया जायेगा। जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के सम्बन्ध में समस्त विभाग के अधिकारियों को मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया जायेगा मुख्यालय से जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि सोशल ऑडिट के सम्बन्ध में जिला विकास अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जायेगी एवं आवश्यक निर्देश दिए जायेंगे। ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी ने सम्बंधित को निर्देश दिए गए हैं कि इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही कराते हुए प्रभावी ढंग से ग्राम चौपाल की वर्षगांठ का आयोजन किया जाये। पिछले वर्ष 30दिसम्बर से ग्राम चौपालों का आयोजन प्रारम्भ हुआ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने वाराणसी की तीन ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का शुभारंभ किया था, तब से लेकर अब तक ग्राम चौपालो का आयोजन अनवरत रूप से किया जा रहा है। और 65हजार से अधिक चौपालों का आयोजन किया जा चुका है।

फर्जी थी हरियाणा के ड्राइवर से हुई लूट, पुलिस ने किया गिरफ्तार

अलीगढ़। अलीगढ़ में हरियाणा के लोडर चालक के साथ हुई घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। लोडर चालक के साथ हुई लूट की घटना फर्जी थी और उसने अपने परिचित को फंसाने के लिए यह मुकदमा दर्ज कराया था। दोनों के बीच लेनदेन था और आरोपी दबाव बनना चाहता था। पुलिस को 8 दिसंबर को लूट की सूचना दी गई थी, जिसके बाद तत्काल मुकदमा दर्ज किया गया था और घटना के खुलासे के लिए 4 टीमों का गठन किया गया था। जिसके बाद पुलिस ने लूट गई मैक्स गाड़ी और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में पता चला कि मामला पूरी तरह से फर्जी था। पुलिस के अनुसार 8 दिसंबर को उन्हें हरियाणा के फरीदाबाद जिले के वल्लभगढ़ निवासी लोडर चालक तेजवीर सिंह ने लूट की सूचना दी थी। पीड़ित ने बताया था कि आशीष यादव नाम के व्यक्ति ने उसकी लोडर बुक की थी और वल्लभगढ़ से लेकर सासनी आया था। रास्ते में टप्पल के पास होटल में दोनों ने खाना खाया था। होटल में खाना खाने के बाद दोनों लोडर लेकर खेरेश्वर मंदिर आ गए थे।यहां पर मोटर साइकिल में सवार होकर दो व्यक्ति आए और एक व्यक्ति उनकी गाड़ी में साथ बैठक गया। जिसके बाद उसने ड्राइवर को किनारे कर दिया और खुद गाड़ी चलाने लगा। वह उसे हाथरस के बजाय अकराबाद लेकर गए। वहां पर टोल के पास आकर उसे धमकाया औ ऑनलाइन 20 हजार रुपए लिए। इसके बाद उसे गाड़ी से उतार दिया और गाड़ी लूटकर फरार हो गए।

सीओ सर्जना सिंह ने बताया कि घटना के बाद मामले की जांच के लिए 4 टीमें गठित की गई थी। जिसके बाद टीमों ने आरोपी आशीष यादव और लूटी गई टाटा मैक्स गाड़ी (छोटा हाथी) को एटा से बरामद कर लिया। पूछताछ में आशीष ने बताया कि उसका लेनदेन को लेकर तेजवीर से विवाद हुआ था। जब पुलिस ने सख्ती से पूछा तो तेजवीर ने बताया कि उसने आशीष से 72000 रुपए लिए थे। 20000 रुपए वह दे चुका था और बाद में विवाद हो गया। जिसके बाद उसने दबाव बनाने के लिए लूट की फर्जी कहानी बना दी। जिससे कि आशीष उसके दबाव में आ जाए और उसे रुपए न देने पड़े। सीओ सर्जना सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। झूठी सूचना देने वाले हरियाणा के ड्राइवर तेजवीर सिंह और मैनपुरी निवासी आशीष यादव को जेल भेजा जा रहा है। इन्हें सोमवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घटना का खुलासा करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओ ऋषिपाल कसाना, एसआई सत्यवीर सिंह, एसआई अमित कुमार और हेड कांस्टेबल अजय कुमार शामिल रहे।

स्पोर्ट्स स्टेडियम में सांसद खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन,

बालिका व बालक वर्ग कबड्डी में आनंद एकेडमी रही विजेता

अयोध्या। अयोध्या में सांसद खेल प्रतियोगिता का मकबरा स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार को समापन हो गया। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने विजयी खिलाड़ियों को शील्ड व प्रमाण पत्र प्रदान किया। सांसद लल्लू सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। सभी विजेता टीमों को ट्रैक सूट वितरित किया गया।

महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि खेल में प्रतिभाग करने से शारीरिक के साथ मानसिक विकास भी होता है। इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन से प्रतिभाओं को मंच मिलता है। सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि सरकार के प्रयासों से खिलाड़ियों में निखार आया है। जिसका परिणाम स्वरुप आज अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन में खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी बेहतर हो गया है। बालिका कबड्डी में आनंद कबड्डी एकेडमी डाभासेमर विजेता, अयोध्या एकेडमी रानोपाली उपविजेता, पुरुष कबड्डी में आनंद कबड्डी एकेडमी विजेता, कर्पूरी ठाकुर वार्ड उपविजेता, खो–खो बालक वर्ग में एमआरडी इंटर कालेज आशापुर विजेता, राजकरन इंटर कालेज उपविजेता, खो–खो बालिका में जिला विद्यालय क्रीड़ा समिति विजेता, एमआरडी इंटर कालेज आशापुर उपविजेता, वालीवाल में कर्पूरी ठाकुर विजेता, डीआरएम पब्लिक स्कूल उपविजेता, रस्साकसी के पुरुष वर्ग में आनंद कबड्डी एकेडमी डाभासेमर विजेता, केटी पब्लिक स्कूल उपविजेता रही। 100 मीटर बालिका दौड़ में इशिका वर्मा जेबीए प्रथम, इंकिता यादव आर्मी स्कूल द्वितीय, अनाया श्रीवास्तव आर्मी स्कूल तृतीय आयी। वहीं बालिक वर्ग 100 मीटर दौड़ में एजाज खान प्रथम, सौरभ सिंह द्वितीय व आदित्य उपाध्याय तृतीय आए। निर्वाचन की भूमिका में विश्वनाथ सिंह, अनूप दुबे, राकेश मौर्य, उपेन्द्र शुक्ला, विवेक सिंह, सरवर आलम, पंकज द्विवेदी शामिल थे। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय गुप्ता, अवधेश पांडेय बादल, विकास सिंह, गिरीश पाण्डेय डिप्पुल, विशाल सिंह, रवि सोनकर, सुरेन्द्र यादव, सूरज सोनकर, जयप्रकाश श्रीवास्तव, डा कनक बिहारी पाठक, डॉ पीयूष श्रीवास्तव मौजूद रहे।

8 साल की बच्ची से रेप, मथुरा से अलीगढ़ मजदूरी करने आया था परिवार

अलीगढ। जिले में 8 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पड़ोसी युवक ने बच्ची को बहलाकर उसे हवस का शिकार बनाया। आसपास के लोगों ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया और उसे पीटते हुए पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है और मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है, जिससे आरोपी के खिलाफ मेडिकल साक्ष्य जुटाए जा सकें। इगलास के बेसवां चौकी क्षेत्र में ईंट भट्ठे में मजदूर काम करते हैं। यहां मजदूरों की बस्ती बनी हुई है। यहां एक परिवार शनिवार देर शाम को काम करने गया हुआ था। घर पर 8 साल की बेटी और उसका भाई ही मौजूद थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला रंजीत सागर वहां आ गया और बेटे को बाहर भेज दिया। आरोपी ने लड़के से कहा कि वह भट्ठे की परिक्रमा करके आएगा तो उसे रुपए देगा। इसके बाद आरोपी ने मासूम बच्ची को हवस का शिकार बनाना शुरू कर दिया। लड़का जब लौटकर आया तो उसने देखा कि उसकी बहन रो रही है, जिसके बाद उसने दौड़कर अपनी मां को सारी बात बताई। उसकी मां अन्य लोगों के साथ वहां पहुंच गई और आरोपी को रंगेहाथों पकड़ लिया।

पीड़ित परिवार मूल रूप से मथुरा का रहने वाला है। 10 दिन पहले ही यह मजदूरी करने के लिए अलीगढ़ आए थे और इगलास में काम कर रहे थे। यहीं पर इन्होंने अस्थाई रूप से झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। लोगों की पिटाई से आरोपी भी घायल हो गया है और उसका उपचार भी सीएचसी में चल रहा है। सीओ डॉ कृष्णगोपाल ने बताया कि आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी अभी सीएचसी में भर्ती है और उसका इलाज कराया जा रहा है। इसके बाद आरोपी को कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव,परिजन बोले, हत्या की गई है

अलीगढ़। जिले के अकराबाद थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में पॉलीथिन कारोबारी का शव हाईवे के किनारे पड़ा मिला। हाईवे पर शव पड़ा होने की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। युवक के पास रखे दस्तावेजों से उसकी पहचान हो सकी। जिसके बाद पुलिस ने युवक के परिजनों को इसकी सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने पर युवक के परिजन मौके पर पहुंच गए और रो–रोकर उनका बुरा हाल हो गया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि युवक की हत्या की गई है, क्योंकि उसके शरीर पर चोंट के निशान है और गाल पर भी नील के निशान है। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। भाई तस्लीम ने बताया कि मृतक का नाम आदिल है। वह पॉलीथिन का कारोबार करता था और काम के सिलसिले में आए दिन शहर के बाहर आता जाता रहता था। शनिवार को भी पॉलीथिन की सप्लाई देने के लिए कासगंज गया हुआ था। कासगंज में सप्लाई देने के बाद वह देर शाम अपनी बहन के यहां गया था। बहन के घर रुककर आदिल ने खाना खाया था और इसके बाद अलीगढ़ के लिए निकल आया था। जब आदिल अपनी बहन के घर पर था, तो उसकी परिजनों से बातचीत हुई थी। इसके कुछ घंटों के बाद रात में परिजनों के पास पुलिस का फोन आया कि आदिल का शव अकराबाद थाना क्षेत्र में मिला है। जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंच गए। मृतक के भाई तस्लीम ने बताया कि उसके छोटे भाई आदिल के शरीर पर चोंट के कई निशान हैं। इसका मलतब है कि उसके साथ मारपीट की गई है और इसके बाद उसकी हत्या कर दी गई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए तहरीर दी है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। अकराबाद थानाध्यक्ष ऋषिपाल सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। मौत के कारण जानने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जल्दी ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

सगे भाईयों को घर में घुसकर पीटा,मुकदमा दर्ज

लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के दहियर गांव निवासी शमशेर ने पुलिस से लिखित शिकायत करते हुये बताया बीते शनिवार की रात वो अपने घर पर भाई सहदेव के साथ बैठा था तभी शैलेन्द्र, अलेन्द्रर, कुलदीप, अनूप, जीतू अमन लाठी डंडो से लैस होकर आ धमके ओर बिना किसी बात के भाई सहदेव व उसकी बुरी तरह पिटाई कर घायल कर दिया ओर जान से मारने की धमकी देते हुये मौके से भाग निकलें।अतिरिक्त इंस्पेक्टर ने बताया पीड़ित की तहरीर पर आधा दर्जन आरोपियों पर मारपीट,बलवा की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी हैं।

एमएलसी व विधायक ने आवास निर्माण के लिए किया भूमि पूजन, लोगों को दी गई योजनाओं का जानकारी

गोण्डा। जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत सैकड़ों आवास योजना के स्वीकृत लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया गया साथ ही लाभार्थियों के लिए बनाए जाने वाले आवासों के निर्माण के लिए भूमि पूजन भी किया गया। और लोगों को विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में जानकारी भी दी गई।

जिले के तरबगंज तहसील अंतर्गत नवसृजित नगर पंचायत बेलसर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के अंतर्गत लाभार्थियों के लिए बनाए जाने वाले नए आवासों का भूमि पूजन किया गया और दो दर्जन से अधिक शहरी आवास योजना के चयनित लाभार्थियों को आवास स्वीकृत प्रमाण पत्र बीजेपी विधान परिषद सदस्य अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू द्वारा किया गया। वहीं सदर तहसील अंतर्गत नवसृजित नगर पंचायत धानेपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के नये आवासों का भूमि पूजन और लाभार्थियों को आवास स्वीकृत प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहां बीजेपी विधायक मेहनौन विनय कुमार द्विवेदी उर्फ मुन्ना द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी योजनान्तर्गत चयनित 10 लाभार्थियों के आवास का भूमि पूजन किया गया साथ ही 119 लाभार्थियों जो प्रथम किश्त प्राप्त कर चुके है उन लाभार्थियों को आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया गया। बीजेपी एमएलसी अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान भारत सरकार और यूपी सरकार द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी लोगों को दिया जा रहा है और एक विकसित भारत बनाने का संकल्प जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उठाया है उसको साकार करने का काम किया जा रहा है। साथ ही लोगों को रहने के लिए शहरी आवास योजना अंतर्गत आवासों का भूमि पूजन किया गया है जो बनने के बाद गरीब लाभार्थियों को आसान किस्तों में दिया जाएगा।

वहीं भाजपा विधायक विनय कुमार द्विवेदी ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान लोगों को सस्ते दामों पर आटा चावल आलू सहित अन्य सामान भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिसको लेकर के कई गाड़ियां भी लगाई गई है।

द्वितीय अधीर दुबे टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट : ट्रिपल सिंह का आतिशी शतक सेवन की जीत में अनिल

लखनऊ। अनिल सिंह (105) के आतिशी शतक से ट्रिपल सेवन क्लब ने द्वितीय अधीर दुबे टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट में खानदान–ए–अवध को 72 रन से पराजित किया। आरबीटी स्टेडियम पर रविवार को खेले गए मैच में ट्रिपल सेवन क्लब ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 170 रन का स्कोर बनाया। सलामी बल्लेबाज अनिल सिंह ने 61 गेंदों पर 14 चौके व 3 छक्के जड़ते हुए 105 रन की शतकीय पारी खेली।उन्होंने गुरबिंदर सिंह (16) के साथ पहले विकेट के लिए 81 रन और अजय कुमार (नाबाद 31) के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी की। खानदान–ए–अवध से शिशु ओम दीक्षित ने 4 ओवर में 37 रन देकर 4 विकेट की सफलता हासिल की। प्रशांत चतुर्वेदी व सबीर को एक–एक विकेट की सफलता मिली। जवाब में खानदान–ए–अवध लक्ष्य का पीछा करते हुए निर्धारित ओवर में 7 विकेट पर 98 रन ही बना सका और जीत से 72 रन दूर रह गया। टीम से सबीर (नाबाद 34), गुलरेज रिजवी (नाबाद 25) और इस्लाम (14) ही दहाई के आंकड़े में रन बना सके।ट्रिपल सेवन क्लब से महिराज सिंह व रेहान ने दो–दो विकेट की सफलता हासिल की। अमित कुमार व अजय द्विवेदी को एक–एक विकेट की सफलता मिली। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार ट्रिपल सेवन के अनिल सिंह को मिला।

रात में बढ़ी ठिठुरन

बस्ती। मौसम में बदलाव का असर दिखने लगा है। रविवार को दिनभर बढिया धूप खिली रही। लेकिन यह पिछले हफ्ते की तरह तीखी नहीं रही। रात में ठिठुरन बढ़ने के कारण दिन में धूप गुनगुनी लगने लगी है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, न्यूनतम तापमान गिरने का सिलसिला जारी रहेगा।पिछले हफ्ते तक धूप के कारण लोगों को पसीने हो रहे थे। लेकिन, अब मौसम में बदलाव साफ तौर पर दिखने लगा है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डॉ. अमरनाथ मिश्र ने बताया कि क्रमिक रुप से न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी रहेगी। बताया कि सोमवार को न्यूनतम तापमान में करीब एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट रहेगी। सोमवार को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और अधिकतम 25 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। सर्द रातों को सिलसिला शुरू हो चुका है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।